

राहुल ने वेणुगोपाल से उन सांसदों की लिस्ट मांगी, जो प्रदर्शन स्थल पर मौजूद नहीं थे

पार्टी के इन अनुपस्थित सांसदों से पत्र लिखकर गंभीरता से उनकी गैर मौजूदगी का कारण पूछा जा रहा है

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-
नई दिल्ली, 8 अक्टूबर। राहुल गांधी आज लगातार तीसरे दिन दिल्ली की सड़कों पर अपनी बहन प्रियंका गांधी के साथ प्रदर्शन करते रहे और यह सुनिश्चित किया कि ज्ञानेश कुमार के खिलाफ संदेश जोरदार तरीके से लोगों तक पहुंचे। इसी दौरान दिल्ली पुलिस ने उन्हें आज फिर से हिरासत में ले लिया।
राहुल गांधी ने इस विरोध प्रदर्शन को बहुत गंभीरता से लिया है। उन्होंने केसी वेणुगोपाल से उन सभी कांग्रेस सांसदों की सूची मांगी है, जो प्रदर्शन स्थलों पर मौजूद नहीं थे। साथ ही, उन्होंने उनके न आने की वजह भी पूछी है।
अगर किसी सांसद के पास

- राहुल गांधी का मानना है कि जब कांग्रेस, पूरे विपक्ष को मिलजुल कर एक साथ लाना चाह रही है तो किसी भी कांग्रेस के सांसद का कोई बहाना चलाने वाला नहीं है, वे सरकार की व चुनाव आयुक्त की “वोट चोरी” के प्रयास को उजाकर करने में किसी प्रकार की बहानेबाजी न करें।
- पर, दिक्कत यह है कि हालांकि, राहुल गांधी ज्ञानेश कुमार के खिलाफ धरना-प्रदर्शन को अंतिम परिणाम तक ले जाना चाहते हैं, लेकिन, इण्डिया ब्लॉक के अन्य घटकों की इस मुद्दे पर विशेष रुचि नहीं है, क्योंकि, इन पार्टियों का मानना है कि इस मुहिम से उनको इतना लाभ नहीं, जितना कांग्रेस पार्टी को है।

प्रदर्शन में शामिल नहीं होने का कोई बहुत जरूरी और उचित कारण नहीं था, तो राहुल गांधी चाहते हैं कि ऐसे अनुपस्थित सांसदों को पत्र भेजकर उनसे जवाब मांगा जाए कि वे प्रदर्शन में क्यों मौजूद नहीं थे।
राहुल गांधी का कहना है कि जब

कांग्रेस पूरे विपक्ष को एकजुट करने की कोशिश कर रही है, तो कांग्रेस सांसदों का विरोध-प्रदर्शन में शामिल न होने का कोई बहाना नहीं हो सकता।
राहुल गांधी ज्ञानेश कुमार के खिलाफ इस आंदोलन को और आगे

बढ़ाना चाहते हैं, लेकिन सच्चाई यह है कि विपक्षी गठबंधन में शामिल दलों को लगता है कि इस पूरे आंदोलन का फायदा और चर्चा गांधी परिवार को ज्यादा मिल रही है, जबकि विपक्षी सहयोगी दलों को उतना महत्व नहीं मिल रहा।

भारी मुनाफे के नाम पर 1.61 करोड़ रु. के जवाहरात की ठगी करने वाला गिरफ्तार

जयपुर, 8 अक्टूबर। आदर्श नगर थाना पुलिस ने कीमती जवाहरात खरीदकर ठगी करने के मामले में आरोपी अलजेब खान (24) निवासी रामगंज जयपुर को गिरफ्तार किया है। आरोपी, व्यापारियों को विदेश में कारोबार और बड़ा मुनाफा होने का झांसा देकर महंगे जवाहरात खरीदता

- अलजेब खान ने व्यापारी शुजात अंसारी से 1.61 करोड़ रुपये के कीमती पत्थर खरीदे और ठगी कर फरार हो गया।

था। बाद में उन्हें बाजार में कम कीमत पर बेचकर प्राप्त राशि का इस्तेमाल महंगी पार्टियों, अय्याशी और विदेश यात्राओं में करता था।
पुलिस उपायुक्त जयपुर पूर्व रंजीता शर्मा ने बताया कि आरोपी अच्छे परिवार से ताल्लुक रखता है। वह शुरूआत में व्यापारियों के साथ छोटे स्तर पर अच्छा कारोबार कर उनका विश्वास जीतता (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

‘पुरानी भारतीय कम्पनियाँ मुझे भारत में काम करने से रोक रही हैं’

एलन मस्क का आरोप है कि भारत में काम करने के लिए उनकी कंपनी ने पूरा आधारभूत ढांचा खड़ा कर लिया है, पर, इस लाइन की पुरानी भारतीय कंपनियाँ उनको काम करने की इजाज़त देने में भारी रूकावटें डाल रही हैं

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-
नई दिल्ली, 8 अक्टूबर। एलन मस्क ने “एक्स” पर आरोप लगाया है कि “कुछ ताकतवर लोग” (ओलिगाक्स) भारत में स्टारलैंक के लॉन्च को रोक रहे हैं, ताकि वे अपना “एकाधिकार बनाए रख सकें। उन्होंने इसे “भारत के लोगों के खिलाफ अपराध” बताया। यह आरोप स्पेस एक्स के एक अधिकारी के यह कहने के बाद लगाया गया कि स्टारलैंक ने इन्फ्रास्ट्रक्चर तैयार कर लिया है और वह लॉन्च के लिए तैयार है। मस्क का आरोप बिना किसी का नाम लिए भारत की प्रमुख दूरसंचार कंपनियों की ओर इशारा करता है।
संचार मंत्रालय ने इस दावे को “बेबुनियाद और गलतफहमी पर

- ये पुरानी कंपनियाँ, इस क्षेत्र में एकाधिकार को बनाए रखना चाहती हैं, चाहे उनकी इस हरकत से देश को भी नुकसान हो तो हो।
- दूरसंचार मंत्रालय ने मस्क के आरोपों को बेबुनियाद बताया और कहा कि किसी भी विदेशी कंपनी को इस क्षेत्र में काम करने की इजाज़त देने में देश की सुरक्षा के कई मुद्दे जुड़े हैं।
- अभी तक कोई भी विदेशी कंपनी इन सुरक्षा के मुद्दे पर भारत सरकार को संतुष्ट नहीं कर पाई है, अतः उन्हें देश में काम करने की इजाज़त नहीं मिली है।

आधारित” बताते हुए खारिज कर दिया।
मंत्रालय ने कहा कि सभी दूरसंचार सेवाओं, जिनमें सेटलाइट संचार भी शामिल है, के लिए निष्पक्ष और बिना भेदभाव वाला ऑथराइजेशन फ्रेमवर्क

लागू होता है।
तीन कंपनियों के पास ग्लोबल मोबाइल पर्सनल कम्युनिकेशन बाय सेटलाइट (जीएमपीसीएस) (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

फिल्म अभिनेता नाना पाटेकर की मृत्यु

बुधवार को रात को ढाई बजे उनकी तबियत खराब हुई तथा उन्होंने अपने मित्र को बुलाने व सूचित करने का प्रयास किया था

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-
नई दिल्ली, 8 अक्टूबर। जाने-माने एक्टर और फिल्ममेकर नाना पाटेकर का गुरुवार सुबह गोवा स्थित उनके घर पर कार्डियक अरेस्ट (दिल का दौरा पड़ने) से निधन हो गया। वे 75 साल के थे।
गोवा के मणिपाल अस्पताल में आँकोलांजी के प्रमुख डॉ. सालकर के अनुसार, नाना पाटेकर ने सुबह करीब 2:30 बजे अपने दोस्त को मैसेज किया था कि उनकी तबीयत ठीक नहीं है। देर रात होने के कारण दोस्त मैसेज नहीं देख पाए, जब तक कि पाटेकर ने उन्हें फोन नहीं किया।
डॉ. सालकर ने कहा, “करीब 2:30 बजे उन्होंने अपने दोस्त को मैसेज भेजा कि उनकी तबीयत ठीक नहीं है। लेकिन रात का समय होने के कारण दोस्त मैसेज नहीं देख पाए। फिर उन्होंने उन्हें फोन किया। वे (दोस्त) सुबह करीब 4 बजे उनके घर पहुंचे।” “तब उन्हें (पाटेकर को) पसीना आ रहा



था... और वे होश खो रहे थे।”
डॉक्टर ने बताया कि पाटेकर मणिपाल अस्पताल के पास ही रहते थे। उनके केयरटेकर को एम्बुलेंस लाने के लिए अस्पताल भेजा गया। वे हमारी एम्बुलेंस लेकर आए और हमारी इमरजेंसी रूम टीम ने तुरंत कार्रवाई की। उन्होंने कार्डियक मसाज शुरू की, क्योंकि पाटेकर कोई प्रतिक्रिया नहीं दे रहे थे। पाटेकर को सुबह करीब 4:20-4:30 बजे हमारे अस्पताल लाया गया। हमने पूरी कोशिश की, लेकिन उन्हें मृत

- पर, जब तक एम्बुलेंस आई और अस्पताल पहुंचे, बहुत देर हो चुकी थी तथा उन्हें बचाने के प्रयास विफल ही रहे।

अवस्था में ही लाया गया था।
डॉक्टर ने बताया कि सुबह करीब 5:30 बजे पाटेकर को मृत घोषित कर दिया गया।
चूंकि यह एक मेडिको-लीगल केस था, इसलिए पुलिस में शिकायत दर्ज कराई गई। अब शव को पोस्टमार्टम के लिए गोवा मेडिकल कॉलेज ले जाया गया है।
नाना पाटेकर का शुक्रवार को पुणे में पूरे राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया जाएगा। राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, केन्द्रीय गृहमंत्री सहित, तमाम नेताओं और फिल्म जगत की (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

नाहरगढ़ अभ्यारण्य का वनपाल व वनरक्षक रिश्तत लेते गिरफ्तार

जयपुर, 8 अक्टूबर। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) की स्पेशल यूनिट-द्वितीय जयपुर ने गुरुवार को कार्रवाई करते हुए, नाहरगढ़ अभ्यारण्य की काला महादेव चौकी पर तैनात वनपाल और वनरक्षक को 50 हजार

- शूटिंग की सिक्योरिटी राशि वापस करने की एवज में 50 हजार की रिश्तत ले रहे थे।

रुपए की रिश्तत लेते रहे हाथ गिरफ्तार किया। आरोपी वनपाल श्याम सिंह को 20 हजार रुपए तथा वनरक्षक शिवकिशोर को 30 हजार रुपए रिश्तत लेते पकड़ा गया।
एसीबी पुलिस महानिदेशक गोविन्द गुप्ता ने बताया कि परिवारी ने शिकायत दी थी कि उसने आमेर के मावठा में शूटिंग का कार्य किया था। इस कार्य से संबंधित सिक्योरिटी राशि वापस दिलाने की एवज में काला महादेव चौकी, नाहरगढ़ अभ्यारण्य में पदस्थ पुलिसकर्मी श्याम सिंह और शिवकिशोर रिश्तत की मांग कर रहे थे। शिकायत के अनुसार, श्याम सिंह पहले ही परिवारी से 15 हजार रुपए रिश्तत (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

गुरुग्राम का स्पोर्ट्स स्टेडियम “गैराज” कैसे बन गया?

इस स्टेडियम में ट्रेनिंग कर रहे कोच व खिलाड़ी महीने में दो-चार दिन अन्यत्र कोचिंग के लिए स्थान ढूंढते नज़र आते ही हैं

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-
नई दिल्ली, 8 अक्टूबर। गुरुग्राम के ताऊ देवी लाल स्टेडियम में अभ्यास कर रहे एथलीट्स चार दिनों तक स्टेडियम की सुविधा का इस्तेमाल नहीं कर पाए, क्योंकि हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी को ले जाने वाला हेलिकॉप्टर स्टेडियम के मैदान में पार्क किया हुआ था।
सैनी तीन दिन के सिंगारपुर दौरे पर गए थे और गुरुग्राम लौटने के बाद, उन्हें हेलिकॉप्टर से चंडीगढ़ जाना था। गुरुग्राम में फिलहाल राज्य सरकार या नागरिक उड्डयन मंत्रालय का कोई हेलिपैड नहीं है, जबकि हेलिकॉप्टर को नई दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पार्क करने में अतिरिक्त खर्च आता।

इस घटना के बाद खिलाड़ियों और कोचों ने खेल सुविधा का इस्तेमाल वीआईपी हेलिकॉप्टरों के लिए किए जाने पर चिंता जताई है। “टाइम्स ऑफ इंडिया” ने खिलाड़ियों के हवाले से बताया कि ऐसा पहली बार नहीं हुआ है। उनके अनुसार, लगभग हर महीने एक-दो दिन के लिए स्टेडियम में हेलिकॉप्टर खड़ा किया जाता है।

- जब भी हरियाणा के मु.मंत्री दो-चार दिन की विदेश यात्रा पर जाते हैं, उनका हेलिकॉप्टर गुरुग्राम के स्टेडियम पर पार्क रहता है।

- कारण शायद यह है कि अभी तक हरियाणा सरकार का हेलिकॉप्टर पार्क करने के लिए कोई स्थान आरक्षित या विकसित नहीं है।

- तथा हेलिकॉप्टर को पालम के हवाई अड्डे पर पार्क करना काफी महंगा सौदा है, राज्य सरकार के लिए। अतः सबकी सहूलियत इसी में मानी गई कि कुछ दिन खिलाड़ी व एथलीट अन्यत्र ट्रेनिंग कर लें तथा हेलिकॉप्टर को स्टेडियम में सुरक्षित रखा जाए।

सैनी के मीडिया सलाहकार ने टाइम्स ऑफ इण्डिया को बताया कि हेलिकॉप्टर, मशीन में खराबी आ जाने के कारण स्टेडियम में रुका था और उसे स्टैण्डबाय के तौर पर वहाँ नहीं रखा गया था।
तथापि, स्थानीय खिलाड़ियों और कोचों ने “इंडिया टुडे डॉट इन्” को बताया कि हेलिकॉप्टरों के लिए स्टेडियम का इस्तेमाल नियमित रूप से होता है। उन्होंने कहा कि ऐसी हेलिकॉप्टर गतिविधियों के कारण स्टेडियम हर महीने करीब दो दिनों तक

खिलाड़ियों के लिए बंद रहता है।
इन अलग-अलग दावों से यह सवाल उठता है कि वीआईपी हेलिकॉप्टरों के लिए स्टेडियम का इस्तेमाल कितनी बार किया जाता है और वहां ट्रेनिंग करने वाले एथलीटों पर इसका कितना असर पड़ता है।
इस सुविधा का इस्तेमाल ऐसे राज्य में खासतौर पर ध्यान देने लायक है, जहाँ खेलों की उल्लेखनीय परंपरा है और बड़े अंतरराष्ट्रीय आयोजनों में भारत के पदक जीतने में राज्य का महत्वपूर्ण योगदान रहता है। 2026 के एशियाई खेलों में

भारत ने कुल 85 पदक जीते, जिनमें से 32 पदक हरियाणा के खिलाड़ियों ने जीते। इनमें 14 स्वर्ण, नौ रजत और नौ कांस्य पदक शामिल थे। खेलों से पदक लेकर लौटे 207 भारतीय खिलाड़ियों में से 45 हरियाणा के थे।
गुरुग्राम की यह घटना ऐसा पहला अवसर नहीं है, जब अधिकारियों की गतिविधियों या अन्य गैर-खेल आयोजनों के कारण खेल सुविधाओं तक देश के खिलाड़ियों की पहुंच प्रभावित हुई हो। सन् 2022 में दिल्ली के त्यागराज स्टेडियम के खिलाड़ियों और कोचों ने आरोप लगाया था कि उन्हें अपना अभ्यास समय से पहले खत्म करने के लिए कहा गया था, ताकि दिल्ली के तत्कालीन प्रधान सचिव (राजस्व) संजीव खिरवार वहां अपने कुत्ते को घुमा सकें।
खिरवार ने इस बात से इनकार किया था कि उन्होंने इस कारण से खिलाड़ियों को स्टेडियम छोड़ने के लिए कहा था। वहीं, स्टेडियम के प्रशासक ने कहा था कि आधिकारिक ट्रेनिंग का समय शाम 7 बजे तक था। इस विवाद के बाद, खिरवार का तबादला लद्दाख और उनकी पत्नी तथा आईएएस (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

जेडीए आयुक्त और उपायुक्त के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी

जयपुर, 8 अक्टूबर। जिला उपभोक्ता आयोग क्रम-2 ने भूमि आवंटन से जुड़े मामले में जेडीए आयुक्त सिद्धार्थ महाजन और जेडीए के

- जिला उपभोक्ता आयोग ने पुलिस कमिश्नर को दोनों अधिकारियों को गिरफ्तार कर 12 अक्टूबर को पेश करने के निर्देश दिये।

जोन-9 के उपायुक्त सूर्यकांत शर्मा के गिरफ्तारी वारंट जारी किए हैं। आयोग ने पुलिस कमिश्नर को कहा है कि दोनों (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

‘चुनाव आयोग, न्यायपालिका तथा अन्य संवैधानिक संगठनों को बार-बार चोर व भ्रष्ट कहना व मानना खतरे से खाली नहीं’

42 पूर्व न्यायाधीशों ने खुला खत लिखकर इस प्रवृत्ति पर भारी चिन्ता व्यक्त की

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-
नई दिल्ली, 8 अक्टूबर। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ विपक्ष के बढ़ते विरोध के बीच, 42 पूर्व न्यायाधीशों ने एक कड़ा खुला पत्र जारी किया है। इसमें उन्होंने चुनाव आयोग, न्यायपालिका और अन्य संवैधानिक संस्थाओं को कमजोर करने के लिए चलाए जा रहे अभियान पर गंभीर चिंता जताई है।
पूर्व न्यायाधीशों ने बिना किसी

ठोस सबूत के लगाए जा रहे “वोट चोरी” के आरोपों पर सवाल उठाया। उन्होंने चेतावनी दी कि संवैधानिक संस्थाओं को बार-बार “चोर” और “समझौता करने वाला” बताने से लोकतांत्रिक संस्थाओं पर जनता का भरोसा कमजोर हो सकता है।
पूर्व न्यायाधीशों ने पत्र में लिखा, हमारी चिंता गंभीर है। भारत की संवैधानिक संस्थाएं लगातार हमलों का सामना कर रही हैं। भारत का चुनाव आयोग इस हमले के केन्द्र में

- इन पूर्व न्यायाधीशों के अनुसार, अब तक, जो भी आरोप लगाये गए हैं, उनके बारे में किसी भी न्यायालय में आरोप सही सिद्ध नहीं हुए हैं।
- पर, इन अफसरों व सरकारी अधिकारियों का बार-बार यह कहना, कि सरकार बदलेगी और तब उनकी खैर नहीं, यह अनुचित व गैर वाजिब है।

है। यहां तक कि जिस उच्च न्यायपालिका का हम बहुत सम्मान करते हैं, उसे और वैधानिक एजेंसियों

को भी नहीं बख्शा गया है।
पत्र में आगे कहा गया, “संस्थाओं की आलोचना करना

लोकतांत्रिक अधिकार है। लेकिन उन्हें नीचा दिखाना सही नहीं है।”
पूर्व न्यायाधीशों ने अपने खुले पत्र में कहा, अब सार्वजनिक मंचों से संवैधानिक अधिकारियों को “चोर”, “कठपुतली” और “समझौता करने वाला” कहा जाता है। चुनाव कराने वाले अधिकारियों का नाम लेकर उन्हें बदनाम व शर्मिंदा किया जाता है और सत्ता बदलने पर कार्रवाई की खुली चेतावनी दी जाती है। उल्लेखनीय है कि किसी भी अदालत ने इन आरोपों

को अब तक सही नहीं पाया है।”
पूर्व न्यायाधीशों ने मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (स्पेशल इन्टेन्सिव रिविजन-एसआईआर) का भी समर्थन किया। उन्होंने इसे कानून के तहत तय की गई प्रक्रिया बताया, जिसका उद्देश्य साफ और सही मतदाता सूचियाँ सुनिश्चित करना है। उन्होंने चेतावनी दी कि चुनावों की वैधता पर सवाल उठाने की कोशिशों से अशांति बढ़ सकती है (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

आदर्श विद्या मंदिर प्रबंध समिति द्वारा बिना किसी अधिकार के सूरज मैदान किराये पर देने के मामले में 13 अक्टूबर को कलैक्टर से जवाब मांगा।

कहा है कि आदर्श नगर स्थित सूरज मैदान को आदर्श विद्या मंदिर प्रबंध समिति की ओर से किराए पर देने के (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

योग्य पति अपनी पत्नी को सम्मान की अधिकारिणी बना देता है। –मनु

राजस्थान में कलाओं के विस्तार में ललित कला अकादमी की भूमिका

राजस्थान का नाम लेते ही आँखों के सामने रंगों, रेखाओं, आकृतियों और लोक-स्मृतियों से सजा हुआ एक विराट सांस्कृतिक संसार उभरता है। यहाँ की हवेलियों की भित्तिचित्रकारी, किशनगढ की बर्णी-ठण्णी, बूंदी और कोटा की चित्रशैली, मेवाड की लघुचित्र परंपरा, फड चित्रांकन, मांडणा, कठपुतली, लोकमूर्तियाँ, धातु-कला, मृण्मूर्ति और आधुनिक चित्रकला ये सभी राजस्थान की बहुरंगी कला-परंपरा के जीवंत प्रमाण हैं। इस समृद्ध विरासत को संरक्षित करने, कलाकारों को प्रोत्साहन देने तथा कला को समाज के व्यापक वर्ग तक पहुँचाने में राजस्थान ललित कला अकादमी की भूमिका अत्यंत महत्त्वपूर्ण रही है।

राजस्थान ललित कला अकादमी की स्थापना वर्ष 1957 में हुई। इसका उद्देश्य प्रदेश में ललित कलाओं का प्रचार-प्रसार करना, कलाकारों की रचनात्मक क्षमता को विकसित करना, कला-परंपराओं का संरक्षण करना और नए कलाकारों को उचित मंच उपलब्ध कराना है। अकादमी जयपुर स्थित अपने परिसर से चित्रकला, मूर्तिकला, ग्राफिक कला, छायाचित्रण, लोक एवं समकालीन कला जैसी विविध विधाओं को प्रोत्साहित करती है। यह संस्था कलाकार और समाज के बीच एक सुजनात्मक सेतु का कार्य करती है।

राजस्थान की कला-परंपरा का स्वरूप अत्यंत विस्तृत और विविधतापूर्ण है। मरुस्थलीय जीवन, लोकविश्वास, धार्मिक आख्यान, बीरागाथाएँ, प्रकृति, पशु-पक्षी, ग्रामीण जीवन और राजसी संस्कृति यहाँ की कला के प्रमुख विषय रहे हैं। विभिन्न क्षेत्रों की अपनी विशिष्ट चित्रशैलियाँ विकसित हुईं। मेवाड की चित्रकला में धार्मिकता और लोकजीवन को सहजता दिखाई देती है, जबकि बूंदी और कोटा की चित्रशैली में प्रकृति, शिकार और राजदरबार के दृश्य प्रमुख हैं। किशनगढ शैली अपनी कोमल भावाभिव्यक्ति और सौंदर्यबोध के लिए प्रसिद्ध है। शेखावाटी की हवेलियों के भित्तिचित्र सामाजिक इतिहास और लोक-संस्कृति के दस्तावेज हैं।

ऐसी समृद्ध परंपराओं को केवल संग्रहालयों तक सीमित रखना पर्याप्त नहीं है। उन्हें वर्तमान जीवन से जोड़ना भी आवश्यक है। राजस्थान ललित कला अकादमी इसी दिशा में कार्य करती है। अकादमी पारंपरिक कलाओं के साथ-साथ आधुनिक और प्रयोगधर्मी कला को भी मंच प्रदान करती है। इससे कलाकारों को अपनी जड़ों से जुड़े रहते हुए नए माध्यमों, नई तकनीकों और नए विचारों के साथ सृजन करने का अवसर मिलता है।

अकादमी की सबसे प्रमुख गतिविधियों में कला-प्रदर्शनियों का आयोजन शामिल है। वार्षिक कला प्रदर्शनी के माध्यम से प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों में कार्यरत कलाकारों की अपनी कृतियाँ प्रदर्शित करने का अवसर मिलता है। इन प्रदर्शनियों में चित्रकला, मूर्तिकला, ग्राफिक कला और अन्य दृश्य कलाओं का समावेश होता है। अनुभवी निर्णायकों द्वारा कृतियों का चयन किया जाता है और श्रेष्ठ कलाकारों को पुरस्कार प्रदान किए जाते हैं। इससे कलाकारों को पहचान, सम्मान और आर्थिक प्रोत्साहन प्राप्त होता है।

वार्षिक कला प्रदर्शनी केवल पुरस्कार देने का आयोजन नहीं होती, बल्कि यह प्रदेश के कला-परिदृश्य का वार्षिक मूल्यांकन भी प्रस्तुत करती है। इसमें यह देखा जा सकता है कि कलाकार किन विषयों पर काम कर रहे हैं, उनकी तकनीक में क्या परिवर्तन आ रहे हैं और समाज की बदलती परिस्थितियाँ कला में किस प्रकार अभिव्यक्त हो रही हैं। उदाहरण के लिए, हाल के आयोजनों में शहरी जीवन, पर्यावरण, स्त्री-अनुभव, लोकपरंपरा, वचनपन, ग्रामीण जीवन और सामाजिक परिवर्तन जैसे विषयों को स्थान मिला है। इससे स्पष्ट होता है कि राजस्थान की कला परंपरा स्थिर नहीं, बल्कि निरंतर विकसित होने वाली जीवंत धारा है।

अकादमी का दूसरा महत्त्वपूर्ण योगदान युवा कलाकारों को प्रोत्साहन देना है। किसी भी कला-परंपरा की निरंतरता तभी बनी रह सकती है, जब नई पीढ़ी उससे जुड़े। अनेक युवा कलाकार प्रतिभाशाली होते हुए भी आर्थिक कठिनाइयों, उचित मार्गदर्शन और प्रदर्शन के अवसरों के अभाव में पीछे रह जाते हैं। अकादमी प्रदर्शनियों, प्रतियोगिताओं, कला शिविरों, कार्यशालाओं और पुरस्कारों के माध्यम से ऐसे कलाकारों को आगे बढ़ने का अवसर देती है।

युवा कलाकारों के लिए कला-शिविर विशेष रूप से उपयोगी होते हैं। शिविरों में विभिन्न क्षेत्रों से आए कलाकार एक-दूसरे की प्रेरणा ले सकते हैं और अनुभवों का आदान-प्रदान करते हैं। वरिष्ठ कलाकारों के मार्गदर्शन से युवा कलाकारों को तकनीकी ज्ञान, विषय-विस्तार और प्रस्तुतीकरण की नई दृष्टि प्राप्त होती है। कला केवल एकान्त में बैठकर चित्र बनाने की प्रक्रिया नहीं है; यह संवाद, प्रयोग और सामूहिक अनुभव से भी विकसित होती है। अकादमी के शिविर इस संवाद को संभव बनाते हैं।

अकादमी कला-व्याख्यानों, संगोष्ठियों और परिचर्चाओं के माध्यम से कला के सैद्धांतिक पक्ष को भी मजबूत करती है। कला इतिहास, आधुनिक कला, लोक कला, संरक्षण, संग्रहालय-विज्ञान, कला-बाजार और डिजिटल माध्यमों पर आयोजित कार्यक्रम कलाकारों, विद्यार्थियों और कला-प्रेमियों के लिए ज्ञानवर्धक होते हैं। इससे कला केवल प्रदर्शन की वस्तु न रहकर विचार और विमर्श का विषय बनती है।

राजस्थान की लोक और पारंपरिक कलाओं के संरक्षण में भी अकादमी की भूमिका महत्त्वपूर्ण है। मांडणा, फड, लघुचित्र, भित्तिचित्र, लोकमूर्तिकला और पारंपरिक हस्तकला जैसी विधाएँ केवल सौंदर्य की अभिव्यक्ति नहीं हैं; उनमें समुदायों की स्मृतियाँ, धार्मिक आस्थाएँ, सामाजिक मान्यताएँ और जीवन-पद्धतियाँ भी सुरक्षित रहती हैं। आधुनिकता और बाजार के दबाव में अनेक पारंपरिक कलाएँ धीरे-धीरे कमजोर हो रही हैं। अकादमी इन कलाओं को प्रदर्शनियों और कार्यशालाओं के माध्यम से नए दर्शकों तक पहुँचाने का प्रयास करती है।

लोक कला को समकालीन संदर्भों से जोड़ना भी आवश्यक है। यदि पारंपरिक कला केवल अतीत की वस्तु बनकर रह जाए, तो उसकी जीवंतता समाप्त हो सकती है। अकादमी की भूमिका इस बात में है कि पारंपरिक कलाकारों को नए विषयों, नए बाजारों और नए माध्यमों से जोड़ा जाए। पारंपरिक शैली में पर्यावरण, जल-संरक्षण, महिला सशक्तीकरण, ग्राम्य विकास और सामाजिक सद्भाव जैसे विषयों को वित्ति्त करया जा सकता है। इससे लोक कला अपने मूल स्वरूप को बनाए रखते हुए वर्तमान समय से संवाद कर सकेगी।

अकादमी कलाकारों के सम्मान और प्रोत्साहन की परंपरा को भी आगे बढ़ाती है। पुरस्कार किसी कलाकार के लिए केवल आर्थिक सहायता नहीं होते, बल्कि ये उसकी साधना की सामाजिक स्वीकृति का प्रतीक होते हैं। एक कलाकार वर्षों तक अस्थाय, संघर्ष और आत्मसाक्षात्कार के बाद अपनी पहचान बनाता है। जब किसी संस्थागत मंच पर उसकी कृति को सम्मान मिलता है, तो उसका आत्मविश्वास बढ़ता है और वह अधिक गंभीरता से सृजन करता है। वरिष्ठ कलाकारों का सम्मान युवा पीढ़ी को यह संदेश देता है कि कला-साधना समाज में प्रतिष्ठित और महत्त्वपूर्ण कार्य है।

अकादमी कला-संग्रह और अभिलेखीकरण के क्षेत्र में भी उपयोगी भूमिका निभा सकती है। किसी भी प्रदेश की कला-धरोहर को सुरक्षित रखने के लिए कृतियों का संग्रह, कलाकारों का परिचय, कला-शैलियों का दस्तावेजीकरण और प्रदर्शनियों का अभिलेख आवश्यक है। राजस्थान के अनेक कलाकारों ने दशकों तक महत्त्वपूर्ण कार्य किया, लेकिन उनके जीवन और कृतियों का पर्याप्त दस्तावेजीकरण नहीं हो सका। अकादमी द्वारा कलाकारों की कृतियों का व्यवस्थित अभिलेख तैयार किया जाना चाहिए, ताकि आने वाली पीढ़ियाँ प्रदेश की कला-यात्रा को समझ सकें।

डिजिटल युग में अकादमी की भूमिका और भी व्यापक हो गई है। डिजिटल माध्यमों के कारण कला अब किसी एक शहर या प्रदेश तक सीमित नहीं रहती। ऑनलाइन प्रदर्शनी, डिजिटल संग्रहालय, कलाकारों की डिजिटल प्रोफाइल, आपसी दीर्घाएँ और सामाजिक माध्यमों पर कला-प्रस्तुति के माध्यम से राजस्थान के कलाकारों को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय दर्शक मिल सकते हैं।

अकादमी को विद्यालयों और महाविद्यालयों के साथ भी सक्रिय संबंध स्थापित करने चाहिए। कला शिक्षा केवल चित्र बनाने की तकनीक सिखाने तक सीमित नहीं होनी चाहिए। इससे विद्यार्थियों में संवेदनशीलता, कल्पनाशक्ति, अवलोकन क्षमता और सौंदर्यबोध विकसित होता है। यदि अकादमी विद्यालयों में कला-शिविर, चित्रकला प्रतियोगिता, लोककला परिचय कार्यक्रम और कलाकारों से संवाद आयोजित करे, तो बच्चों की दिशा-दर्शना और जिला स्तर पर नियमित प्रदर्शनियाँ, कार्यशालाएँ और कला संवाद आयोजित करने चाहिए। इससे छोटे शहरों और ग्रामीण क्षेत्रों के कलाकारों को जयपुर तक आने की कठिनाई से मुक्ति मिलेगी।

कला के विस्तार में भौगोलिक विकेंद्रीकरण भी आवश्यक है। जयपुर राज्य का प्रमुख कला-केंद्र है, लेकिन कला केवल राजधानी तक सीमित नहीं रहनी चाहिए। जोधपुर, उदयपुर, बीकानेर, कोटा, अजमेर, बूंदी, भरतपुर, अलवर, बांसवाड़ा, डूंगरपुर, जैसलमेर और श्रीगंगानगर जैसे शहरों में भी कला की समृद्ध परंपराएँ हैं। अकादमी को संभावित और जिला स्तर पर नियमित प्रदर्शनियाँ, कार्यशालाएँ और कला संवाद आयोजित करने चाहिए। इससे छोटे शहरों और ग्रामीण क्षेत्रों के कलाकारों को जयपुर तक आने की कठिनाई से मुक्ति मिलेगी।

राजस्थान में कला के विकास के लिए अन्य संस्थाओं के साथ समन्वय भी जरूरी है। जवाहर कला केंद्र, पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र, भारतीय लोक कला मंडल, राजस्थान विश्वविद्यालय, कला महाविद्यालय, संग्रहालय, निजी कला दीर्घाएँ और स्वयंसेवी संस्थाएँ अपने-अपने स्तर पर कार्य कर रही हैं। यदि इन संस्थाओं के बीच साझा कार्यक्रम, संयुक्त प्रदर्शनियाँ, कलाकार विनिमय और शोध परियोजनाएँ संचालित हों, तो कला-जगत को व्यापक लाभ मिल सकता है। राष्ट्रीय ललित कला अकादमी के क्षेत्रीय केंद्रों के साथ सहयोग से राजस्थान के कलाकारों को देश के अन्य भागों में भी अवसर मिल सकते हैं। राष्ट्रीय स्तर पर ललित कला अकादमी प्रदर्शनियों, कार्यशालाओं, व्याख्यानों और कलाकार सहायता कार्यक्रमों के माध्यम से दृश्य कला को प्रोत्साहित कर सकती है।

अकादमी के सामने कुछ चुनौतियाँ हैं। कला-प्रदर्शनियों की संख्या बढ़ाना, पारदर्शी चयन प्रक्रिया बनाए रखना, कलाकारों को समय पर आर्थिक सहायता उपलब्ध कराना, ग्रामीण कलाकारों तक पहुँचना, कला-बाजार से जोड़ना और स्थायी कला-संग्रह विकसित करना समय की आवश्यकता है। अनेक कलाकार अपनी कृतियों का उचित मूल्य प्राप्त नहीं कर पाते। अकादमी को कला-विक्रय, कला-परामर्श और ऑनलाइन प्रदर्शनी के लिए भी व्यवस्था करनी चाहिए। इससे कलाकारों को आजीविका का सहारा मिलेगा और कला-सृजन अधिक व्यापक होगा।

महिला कलाकारों, दिव्यांग कलाकारों, आदिवासी समुदायों और वंचित वर्गों से आने वाले कलाकारों के लिए विशेष अवसर उपलब्ध करना भी जरूरी है। राजस्थान के जनजातीय अंचलों में अनेक लोककलाएँ और शिल्प परंपराएँ आज भी जीवित हैं। इन कलाकारों की प्रतिभा को मुख्यधारा के कला-मंच से जोड़कर न केवल उन्हें सम्मान दिया जा सकता है, बल्कि प्रदेश की सांस्कृतिक विविधता को भी मजबूत किया जा सकता है।

राजस्थान ललित कला अकादमी ने प्रदेश की कला-यात्रा में एक महत्त्वपूर्ण आधार तैयार किया है। उसने कलाकारों को मंच दिया, प्रदर्शनियों की परंपरा विकसित की, युवा प्रतिभाओं को प्रोत्साहित किया और कला को सार्वजनिक जीवन का हिस्सा बनाया। आज आवश्यकता है कि अकादमी अपने कार्यक्षेत्र को और व्यापक बनाए तथा कला को राजधानी से निकालकर प्रदेश के गाँवों, कस्बों और छोटे शहरों तक पहुँचाए।

कला किसी समाज का मीन इतिहास होती है। वह उन अनुभवों की अभिव्यक्ति देती है जिन्हें शब्दों में कहना कठिन होता है। राजस्थान की कला में यहाँ की रेत, लोकजीवन, संघर्ष, आस्था, उत्सव और मानवीय संवेदना का गहरा रंग दिखाई देता है। ललित कला अकादमी इस रंग-संसार की संरक्षक ही नहीं, बल्कि उसकी नई दिशाओं की खोजी भी है। यदि अकादमी परंपरा और आधुनिकता, लोक और शास्त्र, गाँव और शहर तथा कलाकार और दर्शक के बीच सशक्त संवाद स्थापित करती रहे, तो राजस्थान की कला न केवल राष्ट्रीय स्तर पर बल्कि वैश्विक मंच पर भी अपनी विशिष्ट पहचान और प्रभाव बनाए रखेगी।

–अतिथि संपादक,

अविनाश जोशी,

वरिष्ठ पत्रकार एवं रंत्तभकार



सूर्यप्रताप सिंह राजावत

निर्वाचन आयोग के कामकाज से संबंधित प्रश्नों का परीक्षण संविधान, कानून, नियम, आधिकारिक अभिलेख, न्यायिक निर्णय और उपलब्ध प्रमाणों की कसौटी पर किया जाना चाहिए। मतदाता सूचियों, निर्वाचन आयुक्तों, मतदाता विवरणों और तकनीक को लेकर प्रश्न उठते हैं। इसलिए तथ्यों, लगाए गए आरोपों, कानूनी स्थिति और उपलब्ध प्रमाणों को स्पष्ट रूप से अलग-अलग समझना आवश्यक है।

तथ्य : मतदाता सूची की शुद्धता- मतदाता सूची की शुद्धता स्वयं एक वैधानिक आवश्यकता है। Representation of the People Act, 1950 में मतदाता के पंजीकरण, सामान्य निवास, एक से अधिक स्थानों पर पंजीकरण तथा त्रुटिपूर्ण या अपात्र प्रविष्टियों के सुधार और विलोपन से संबंधित व्यवस्था है। धारा 19 पंजीकरण का आधार प्रदान करती है। कानून एक व्यक्ति के एक से अधिक निर्वाचन क्षेत्रों में अथवा एक ही निर्वाचन क्षेत्र में एक से अधिक बार पंजीकरण को रोकता है। धारा 22 के अंतर्गत प्रविष्टि के संशोधन, स्थानांतरण या विलोपन से पहले उचित सत्यापन की आवश्यकता है। अतः अपात्र, मृत अथवा वृष्णोत्केष्ट प्रविष्टियों को हटाना वैधानिक व्यवस्था का हिस्सा है। साथ ही पात्र मतदाता का नाम गलत तरीके से न हटे, यह सुनिश्चित करना भी आवश्यक है।

आरोप या दावा : सॉफ्टवेयर का

संभावित दुरुपयोग-सॉफ्टवेयर के संभावित दुरुपयोग का प्रश्न सार्वजनिक विमर्श में उठाया जाता है। तथ्य यह है कि निर्वाचन आयोग मतदाता सूची और निर्वाचन प्रशासन में तकनीक का उपयोग करता है। ERONET जैसी प्रणालियाँ निर्वाचन सूची प्रबंधन में उपयोग की जाती हैं। लेकिन यह अलग और अधिक गंभीर दावा है कि किसी सॉफ्टवेयर को किसी राजनीतिक दल या हित के पक्ष में जानबूझकर तैयार या संचालित किया गया। उपलब्ध सामग्री इस आरोप को स्थापित तथ्य के रूप में सिद्ध नहीं करती। ऐसे आरोप के लिए विशिष्ट तकनीकी या दस्तावेजी प्रमाण आवश्यक होंगे। इसलिए तकनीक की पारदर्शिता और ऑडिट-योग्यता पर प्रश्न उठाना तथा सॉफ्टवेयर को राजनीतिक रूप से पक्षपाती घोषित करना दो अलग बातें हैं।

तथ्य और कानूनी स्थिति : निर्वाचन आयुक्तों की नियुक्ति- Anoop Baranwal v. Union of India (2023) में सर्वोच्च न्यायालय ने संसद द्वारा कानून बनाए जाने तक प्रधानमंत्री, लोकसभा में विपक्ष के नेता और भारत के मुख्य न्यायाधीश से संबंधित चयन व्यवस्था निर्धारित की थी। इसके पश्चात संसद ने Chief Election Commissioner and Other Election Commissioners (Appointment, Conditions of Service and Term of Office) Act, 2023 पारित किया। इसकी धारा 7 के अनुसार चयन समिति में प्रधानमंत्री, प्रधानमंत्री द्वारा नामित केंद्रीय मंत्रिमंडल का मंत्री तथा लोकसभा में विपक्ष के नेता को रखा गया है। यह वैधानिक तथ्य है। इसके विपरीत, कहना कि इस परिवर्तन से निर्वाचन आयोग की स्वतंत्रता निश्चित रूप से कमजोर हुई है, एक अलग संवैधानिक दावा है। उसका मूल्यांकन कानून, संस्थागत संरचना, सुरक्षा उपायों और

न्यायिक परीक्षण के आधार पर किया जाना चाहिए।

तथ्य और कानूनी स्थिति : निर्वाचन आयुक्तों का संरक्षण-2023 के अधिनियम की धारा 16 मुख्य निर्वाचन आयुक्त और अन्य निर्वाचन आयुक्तों को उनके आधिकारिक कार्यों के दौरान किए गए कुछ कार्यों, बातों या कृत्यों के संबंध में निर्धारित दीवानी अथवा आपराधिक कार्यवाही से वैधानिक संरक्षण प्रदान करती है। इसे संविधान प्रदत्त प्रत्यक्ष प्रतिरक्षा के बजाय वैधानिक संरक्षण कहना अधिक सटीक है। संरक्षण का अस्तित्व तथ्य है, जबकि उसकी वैधता और सीमा अलग कानूनी प्रश्न है। अनुच्छेद 324(5) मुख्य निर्वाचन आयुक्त को विशेष सुरक्षा प्रदान करता है, जबकि अन्य निर्वाचन आयुक्तों के संबंध में मुख्य निर्वाचन आयुक्त की अनुशंसा का महत्व है।

आरोप या दावा : नामों और वर्तनी के आधार पर बहिष्करण-वर्तनी के मिलान में प्रशासनिक कठिनाई दिखाई देती है। निर्वाचन आयोग के SIR 2026 सर्चपोर्टल पर उल्लेख है कि पुराने और वर्तमान मतदाता रिकॉर्ड में नामों की वर्तनी अलग हो सकती है। मतदाताओं को वैकल्पिक वर्तनी से खोज करने की सलाह दी गई है और “Maneesh” तथा “Manish” जैसे उदाहरण दिए गए हैं। नाम और अन्य विवरणों से भी खोज की सुविधा है। यह रिकॉर्ड के मिलान में वर्तनी और लिप्यंतरण की कठिनाई दर्शाता है। लेकिन इन अंतरों का जानबूझकर पात्र मतदाता को बाहर करने के लिए उपयोग किया गया, यह अलग आरोप है। ऐसे मामलों के लिए स्वतंत्र प्रमाण आवश्यक होंगे। केवल वर्तनी का अंतर जानबूझकर बहिष्करण का प्रमाण नहीं है।

तथ्य : प्रवास और सामान्य निवास-Representation of the People Act, 1950 की धारा 20(1A) स्पष्ट करती है कि सामान्य निवास स्थान से अस्थायी

अनुपस्थिति मात्र व्यक्ति को सामान्य निवासी नहीं रहने वाला नहीं बनाती। इसलिए रोजगार, शिक्षा अथवा आजीविका के लिए बाहर रहने वाले व्यक्ति को केवल इस आधार पर मतदाता सूची से बाहर नहीं किया जा सकता कि वह अपने मूल स्थान पर उपस्थित नहीं है। निर्वाचन आयोग ने पंजीकरण, सुधार, निवास परिवर्तन, विलोपन पर आपत्ति और मतदाता सूची में नाम की जांच जैसी सुविधाएँ उपलब्ध कराई हैं। अतः सुधारात्मक व्यवस्था का अस्तित्व एक स्थापित तथ्य है।

आरोप या दावा : वृद्ध मतदाताओं और दस्तावेजी असंगतियों का प्रश्न- दस्तावेजी विवरणों में अंतर से मतदाता को कठिनाई की आशंका व्यक्त की जा सकती है। दस्तावेजी असंगतियों वाले नागरिकों की व्यावहारिक कठिनाइयों की जांच उचित है। लेकिन यह दावा कि वृद्ध मतदाताओं को व्यवस्थित रूप से केवल आयु के दस्तावेजी प्रमाण के कारण बाहर किया जा रहा है, उपलब्ध सामग्री से स्थापित तथ्य के रूप में नहीं कहा जा सकता। प्रशासनिक कठिनाई की संभावना और व्यवस्थित बहिष्करण के आरोप को अलग रखना आवश्यक है।

तथ्य : बिहार SIR पर सर्वोच्च न्यायालय का निर्णय-बिहार की Special Intensive Revisions से संबंधित सर्वोच्च न्यायालय का 27 मई 2026 का निर्णय, Association for Democratic Reforms v. Election Commission of India, 2026, इस विमर्श में महत्त्वपूर्ण संदर्भ है। न्यायालय ने मतदाता सूचियों की शुद्धता से संबंधित प्रवास, मृत्यु की सूचना दर्ज न होने और डुप्लीकेट प्रविष्टियों जैसी समस्याओं पर विचार किया। मतदाता सूची की शुद्धता वास्तविक प्रशासनिक और संवैधानिक विषय है। लेकिन किसी समस्या पर न्यायिक विचार का अर्थ यह नहीं है कि निर्वाचन आयोग के विरुद्ध लगाए गए प्रत्येक आरोप स्वतः सिद्ध हो जाते हैं।

रावल लक्ष्मणसिंह के काल से जुड़ा बाबा रामदेव मंदिर और रामदेसर बेरी, सामने विराजित है डांगरा परिवार की कुलदेवी शेडल माता



अचलदास डांगरा

जैसलमेर दुर्ग केवल पीले पत्थरों से निर्मित एक ऐतिहासिक किला नहीं है, बल्कि इसकी प्रत्येक गोल, चौक, मंदिर, कुआँ और हवेली अपने भीतर सदियों पुरानी आस्था, परंपरा और लोकजीवन की कहानी समेटे हुए है। दुर्ग के निर्माण के लिए अखेपोल चौक भी ऐसी ही ऐतिहासिक और धार्मिक स्मृतियों का साक्षी है, जहाँ लोकमान्यताओं के अनुसार रावल लक्ष्मणसिंह के काल से बाबा रामदेवजी की भक्ति, जलसेवा और कुलदेवी आराधना की परंपरा जुड़ी हुई है।

जैसलमेर दुर्ग के प्रथम प्रवेश द्वार के रूप में प्रसिद्ध अखेपोल को पार करते ही जिस चौक में प्रवेश होता है, वहाँ सबसे पहले दिखाई देने वाले प्राचीन धार्मिक स्थलों में बाबा रामदेवजी का मंदिर प्रमुख है। स्थानीय इतिहास और लोकमान्यताओं में इस मंदिर के निर्माण को रावल लक्ष्मणसिंह के काल से जोड़ा जाता है। रावल लक्ष्मणसिंह का शासनकाल 14वीं-15वीं शताब्दी का माना जाता है और लोकदेवता बाबा रामदेवजी भी इसी कालखंड के महान संत एवं

लोकनायक माने जाते हैं।

सामने कुलदेवी शेडल माता का प्राचीन मंदिर- बाबा रामदेवजी मंदिर के ठीक सामने डांगरा परिवार की कुलदेवी शेडल माता का प्राचीन मंदिर स्थित है। स्थानीय परंपरा के अनुसार इस मंदिर का निर्माण डांगरा जयदेव द्वारा संवत 1313 में करवाया गया था। यह मंदिर जैसलमेर के माहेश्वरी समाज के डांगरा, पंसारी और गोलकिया परिवारों की प्राचीन कुलदेवी की आराधना का प्रमुख केंद्र रहा है। इस प्रकार अखेपोल चौक में आमने-सामने स्थित ये दोनों धार्मिक स्थल जैसलमेर की धार्मिक-सांस्कृतिक विरासत के दो महत्त्वपूर्ण पक्षों को सामने रखते हैं-एक ओर लोकदेवता बाबा रामदेवजी की लोकआस्था और दूसरी ओर कुलदेवी शेडल माता की पारिवारिक एवं सामाजिक आराधना।

रामदेसर बेरी-आस्था के साथ जलसेवा की परंपरा -अखेपोल चौक की इस धार्मिक परंपरा से जुड़ा एक अन्य महत्त्वपूर्ण स्मृति-नि्दह है रामदेसर बेरी, जिसे स्थानीय लोग रामदेसर कुएं के रूप में भी जानते हैं। लोकमान्यता है कि बाबा रामदेवजी के मंदिर की स्थापना के समय श्रद्धालुओं, यात्रियों और चौक के निवासियों के लिए पीने पानी की व्यवस्था की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए इस जलस्रोत का निर्माण कराया गया। इसे बाबा रामदेवजी के प्रति श्रद्धा से जोड़ते हुए रामदेसर नाम दिया गया। स्थानीय इतिहास में यह मान्यता भी मिलती है कि रामदेसर बेरी की स्मृति के समय बाबा रामदेवजी की स्मृति के समय अथवा राजपरिवार के संरक्षण में कराया गया था। हालाँकि इस संबंध

में उपलब्ध ऐतिहासिक प्रमाणों का स्वतंत्र दस्तावेजी सत्यापन आवश्यक है, लेकिन लोकस्मृति में रामदेसर बेरी और बाबा रामदेव मंदिर का संबंध लंबे समय से जीवित है।

दुर्ग में प्रवेश के साथ ही आस्था का संदेश -जैसलमेर दुर्ग की स्थापत्य योजना में प्रवेश द्वारों का विशेष महत्व रहा है। अखेपोल से भीतर प्रवेश करने वाला व्यक्ति इसी चौक में पहुंचता है। पुराने समय में ऐसे चौक केवल आवागमन के स्थान नहीं थे, बल्कि सुरक्षा, सामाजिक गतिविधियों और धार्मिक जीवन के भी महत्त्वपूर्ण केंद्र हुआ करते थे। अखेपोल चौक की बनावट और स्थिति को देखते हुए यह स्थान दुर्ग के सामाजिक एवं सांस्कृतिक जीवन में महत्त्वपूर्ण रहा होगा। आज भी यहां पहुंचने वाले श्रद्धालुओं और पर्यटकों के लिए प्राचीन मंदिरों की उपस्थिति जैसलमेर की उस परंपरा का परिचय देती है जिसमें धर्म, जल और लोकजीवन एक-दूसरे से जुड़े हुए थे।

रामदेसर बेरी से जल मंदिर तक-सेवा की परंपरा कायम - समय के साथ दुर्ग के इस हिस्से में परिस्थितियाँ बदलीं। बाबो भली करे संस्था की देखरेख में बाबा रामदेवजी मंदिर के पुनरुद्धार का कार्य हुआ। मंदिर के सामने स्थित ऐतिहासिक रामदेसर बेरी को श्रद्धालुओं की सुविधा और चौक के विकास की दृष्टि से बढ़ा दिया गया तथा यहां विशाल चौक का स्वरूप विकसित किया गया। इसी क्रम में स्वर्गीय बड़ी प्रसाद डांगरा की स्मृति में उनके परिवारजनों द्वारा शीतल पेयजल के रूप में निर्धारित जा रही जल मंदिर का निर्माण कराया गया। यह परिवर्तन केवल एक पुराने



जलस्रोत के स्थान पर नई व्यवस्था खड़ी करने की कहानी नहीं है। इसे व्यापक अर्थ में देखें तो यह जैसलमेर की उस पुरानी परंपरा की निरंतरता है जिसमें धार्मिक स्थलों के साथ पेयजल और जनसेवा की भी महत्व दिया जाता था।

इतिहास की परतों में दर्ज एक जीवंत चौक -अखेपोल चौक को यदि ध्यान से देखा जाए तो यहां इतिहास की कई परतें एक साथ दिखाई देती हैं-प्राचीन दुर्ग, प्रवेश द्वार, बाबा रामदेवजी का मंदिर, सामने स्थित शेडल माता का मंदिर, रामदेसर बेरी की स्मृति और वर्तमान में निर्मित जल मंदिर। यही इसकी सबसे बड़ी विशेषता है। एक ओर रावल लक्ष्मणसिंह के काल से जुड़ी लोकमान्यता है, दूसरी ओर संवत 1313 से जुड़ी शेडल माता मंदिर की परंपरा और तीसरी ओर वर्तमान पीढ़ी द्वारा जलसेवा के रूप में निर्धारित जा रही सामाजिक जिम्मेदारी। जैसलमेर की ऐतिहासिक विरासत का वास्तविक

अर्थ केवल पत्थरों और स्थापत्य को सुरक्षित रखना नहीं है। इन स्थानों से जुड़ी लोकस्मृतियों, धार्मिक परंपराओं, जलस्रोतों और जनसेवा की भावना को भी सुरक्षित रखना उतना ही आवश्यक है।

अखेपोल चौक इसी जीवंत विरासत का उदाहरण है-जहां सदियों पुरानी आस्था आज भी वर्तमान की सेवा भावना से जुड़ती दिखाई देती है। 25 साल की स्थानीय पत्रकारिता के अनुभव से देखें तो जैसलमेर दुर्ग की ऐसी छोटी-छोटी स्मृतियाँ ही उसके बड़े इतिहास को जीवंत बनाती हैं। रामदेसर बेरी की स्मृति और उसके स्थान पर निर्मित जल मंदिर इस बात का उदाहरण है कि समय बदल सकता है, व्यवस्थाएँ बदल सकती हैं, लेकिन लोकसेवा और आस्था की परंपरा पीढ़ियों तक आगे बढ़ सकती है।

—अचलदास डांगरा,

वरिष्ठ पत्रकार, जेठापाड़ा जैसलमेर

राशिफल शुक्रवार 9 अक्टूबर, 2026
अश्विन मास, कृष्ण पक्ष, चतुरदशी तिथि, शुक्रवार, विक्रम संवत-2083, उत्तरा फाल्गुनी नक्षत्र रात्रि 9:20 तक, ब्रह्म योग रात्रि 11:21 तक, विष्टि करण प्रातः 9:56 तक, चन्द्रमा आज कन्या राशि में संचार करेगा। ग्रह स्थिति- सूर्य-कन्या, चन्द्रमा-कन्या, मंगल-कर्क, बुध-कन्या, गुरू-कर्क, शुक्र-तुला, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह आज भद्रा प्रातः 9:56 तक है। आज चौदस का श्राद्ध, विज शस्त्रादि से मृतकों का श्राद्ध है। श्रेष्ठ चौघड़िया- चर सूर्योदय से 7:54 तक, लाभ अमृत 7:54 से 10:47 तक, शुभ 12:14 से 1:41 तक, शर 4:25 से सूर्यास्त तक। राहुकाल- 10:30 से 12:00 तक, सूर्योदय 6:27, सूर्यास्त 6:02

मेघ	सिंह
परिवार में चल रहे आपसी मतभेद दूर होने लगेगे। स्वास्थ्य संबंधित चिन्ता दूर होगी। दिनचर्या में सुधार होगा। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है।	आर्थिक/वित्तीय मामलों में संतुलन बनाए रखना ठीक रहेगा। व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी। आज धार्मिक कार्यों पर धन खर्च हो सकता है।
वृष	कन्या
व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक कार्यों के लिए समय अच्छा है। महत्त्वपूर्ण कार्यों में उचित सफलता मिल सकती है। अटकें दूर कार्य बन्ने लगेगे।	मानसिक तनाव दूर होगा। मन:स्थिति में सुधार होगा। मनोबल-आत्मविश्वास बढ़ेगा। घर-परिवार में सुख-सुविधाओं में वृद्धि होगी। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।
मिथुन	तुला
घर-परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। परिवार में महत्त्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। आज व्यावसायिक कार्यों से संबंधित आर्थिक समस्या का समाधान हो सकता है।	घर-गृहस्थादि के कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। अनर्गल कार्यों में समय खर्चा होगा। मन में असंतोष बना रहेगा। व्यावसायिक खर्चों पर नियंत्रण रखें।
कर्क	वृश्चिक
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। आज परिजनों/परिचितों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है।	आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। धार्मिक स्थान की यात्रा संभव है।

सिंह

आर्थिक/वित्तीय मामलों में संतुलन बनाए रखना ठीक रहेगा। व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। व्यावसायिक बातों सफल रहेगी। आज धार्मिक कार्यों पर मन खर्च हो सकता है।

कन्या

मानसिक तनाव दूर होगा। मन:स्थिति में सुधार होगा।

मनोबल-आत्मविश्वास बढ़ेगा। घर-परिवार में सुख-सुविधाओं में वृद्धि होगी। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

तुला

घर-गृहस्थी के कार्यों के कारण भावोदीड़ रहेगी। अनर्गल कार्यों में समय खराब होगा। मन में अंतर्गता बना रहेगा। व्यावसायिक खर्चों पर नियंत्रण रखें।

वृश्चिक

आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। धार्मिक स्थान की यात्रा संभव है।

Hero celebrates art forms of India.
Featuring Warli Art by Dilip Rama Bahotha from Maharashtra.



AAYA TYOHAAR HERO PE SAWAAR

PRE-BOOK NOW TO GET DELIVERY
DURING NAVARATRI.



LIMITED
PERIOD
OFFERS

CASH DISCOUNT UP TO
₹2500[~]

INSTANT DISCOUNT UP TO
₹10000[^]

LOW RATE OF INTEREST
6.99%^{*}

EXCLUSIVE CORPORATE OFFER UP TO
₹3200[~]

For bulk / institutional inquiries, please write to us at : institutionalsales@heromotocorp.com | Available in CSD



Hero Stand a chance to win
GoodLife **24 Carat Gold Coin**
and many more assured benefits*

Also Available on:

Hero MotoCorp Ltd. Regd. Office: The Grand Plaza, Plot No.2, Nelson Mandela Road, Vasant Kunj Phase - II, New Delhi - 110070, India. | CIN: L35911DL1984PLC017354 | For further information, contact your nearest Hero MotoCorp authorized outlet or visit us on www.HeroMotoCorp.com. Accessories and features shown may not be a part of standard fitment. Always wear a helmet while riding a two-wheeler. *Offer amount and combination of offer may vary for model/variant and states and it is applicable on select models only, for a limited time period or till stock lasts. *Finance offer is at the sole discretion of the Financier, subject to its respective T&Cs, Available at select dealerships. *T&C apply. Offer available only on limited stores. @Limited period offer, T&C apply.

TOLL FREE
1800 266 0018

अधिकृत डीलर: कोटा: कोटा हीरो, 9289922193, 6367380041, चम्बल हीरो, 9289923012, 2504062, बूंदी: शिवम हीरो, 9289922540, झालरापाटन: महादीप हीरो, 9289232404, एसोशिएट डीलर: कोटा: कोटा मोटर कम्पनी प्रा.लि., 9289922193, चम्बल मोटर्स प्रा.लि., 9214036062, 9214436023, 9116160555, रामगंज मण्डी: बगडिया ऑटो सेल्स, 8690937703, अकलेरा: सोनू मोटर्स, 9414194741, केशवरायपाटन: गोपाल मोटर्स, 7014418006, छाबड़ा: एम.के. मोटर्स, 8003169644, कैलाश मोटर्स, 9166171616, छीपाबडोद: स्पीड लिंक आटो, 9462491317, नैनवाँ: जैन आटोमोबाइल्स, 9460194414, नाहरगढ़: शुभम मोटर्स, 9521511336, अन्ता: हुसैन मोटर्स, 9694816652, सुल्तानपुर: नामा सेल्स कॉर्पोरेशन, 6378910321, एक्सटेंशन काउंटर- कोटा: चंबल ऑटोमोटिव (श्रीनाथपुरम), 9289923012, डाबी: हरसौरा मोटर्स, 9610446556, तालेड़ा: गुरुकृपा इंटरप्राइजेज, 9929134999, देई: धाकड़ ऑटोमोटिव, 9549850666, कवाई सालपुरा: एसएस तिवारी मोटर्स, 9929191766, हरनावदा शाहजी: आर.डी. तिवारी मोटर्स, 9571887243, लाखेरी: एलीट मोटर्स, 8890902559, सुनेल: शिव्या ऑटोमोबाइल्स, 7340280001, समराणीया: गुरुकृपा ऑटोमोबाइल्स, 9529159999, (Buy, Sell, Exchange Any Used Two Wheeler) बारां: के.के. मोटर्स, 9289923200

डंपर की टक्कर से बाइक सवार छात्र की मौत

जयपुर। दौलतपुरा थाना क्षेत्र में गुरुवार शाम तेज रफ़्तार डंपर की टक्कर से बाइक सवार कॉलेज छात्र की मौत हो गई। हादसा पोखरिया वाला पुलिसिया के पास शाम करीब 5:30 बजे हुआ। डंपर की टक्कर के बाद छात्र सड़क पर गिर गया और डंपर के पिछले पहिए की चपेट में आ गया। हादसे में उसकी मौके पर ही मौत हो गई। मृतक की पहचान प्रशांत जांगिड़ (20) के रूप में हुई है। वह सोनी का बाग, विद्याधर नगर निवासी धर्मेन्द्र कुमार जांगिड़ का पुत्र था और एमिटी यूनिवर्सिटी में बीबीए का छात्र था।दौलतपुरा थानाधिकारी महेंद्र सिंह यादव ने बताया कि हादसे की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और डंपर व मोटरसाइकिल को कब्जे में ले लिया। दुर्घटना के बाद डंपर चालक को से फरार हो गया। पुलिस उसकी तलाश कर रही है। पुलिस ने शव को कांक्टिया अस्पताल के मुर्दाघर में रखवाया है। शुक्रवार को पोस्टमार्टम कराया जाएगा। पुलिस हादसे के कारणों की जांच कर रही है।

आरआईसी प्रबंधन पर भाई-भतीजावाद के आरोप, हंगामा

जयपुर । राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर (आरआईसी) में गुरुवार को कथित अव्यवस्थाओं और प्रबंधन की कार्यप्रणाली को लेकर हंगामा हो गया। कार्यक्रम से जुड़े लोगों ने प्रबंधन पर भाई-भतीजावाद के आरोप लगाते हुए विरोध जताया। इस दौरान व्यवस्थाओं को लेकर भी पाराजगी सामने आई।

विरोध कर रहे लोगों का आरोप है कि सेंटर में कार्यक्रमों के आयोजन, सुविधाओं के आवंटन और अन्य व्यवस्थाओं में पारदर्शिता का अभाव है। कुछ लोगों ने प्रबंधन पर चुनिंदा लोगों को प्राथमिकता देने और नियमों के समान रूप से पालन नहीं करने के आरोप लगाए। इसके चलते सेंटर परिसर में काफी देर तक असहज स्थिति बनी रही। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर जैसे महत्वपूर्ण संस्थान में कार्यक्रमों के संचालन और प्रबंधन में पारदर्शी व्यवस्था होनी चाहिए। उनका कहना था कि किसी भी संस्था में व्यक्तिगत पसंद-नापसंद के बजाय निष्पार्ति नियमों और प्रक्रियाओं के आधार पर निर्णय लिए जाने चाहिए। हंगामे के दौरान सेंटर की व्यवस्थाओं को लेकर भी सवाल उठाए गए। आरोप लगाया गया कि आयोजन संबंधी समन्वय, प्रवेश व्यवस्था और अन्य सुविधाओं में पर्याप्त ध्यान नहीं दिया जा रहा है, जिससे कार्यक्रमों में आने वाले लोगों को परेशानी होती है।

‘बेहतर बीज से बढ़ेगी सरसों की उपज’

जयपुर/सीकर। सरसों की बुवाई का समय नजदीक है। ऐसे में किसानों के लिए बेहतर गुणवत्ता वाले बीज का चयन और वैज्ञानिक तरीके से खेती करना उपज व आमदनी बढ़ाने में महत्वपूर्ण साबित हो सकता है। एफआईसी सी सी आई- सी सी एस एनआईएमपी की ‘भारत के सरसों क्षेत्र की क्षमता का दोहन: प्रौद्योगिकी, उत्पादकता और किसान समृद्धि रिपोर्ट’ में राजस्थान और हरियाणा की सरसों खेती का अध्ययन किया गया है। रिपोर्ट के अनुसार सरसों उत्पादन बढ़ाने के लिए रकबा बढ़ाने के बजाय प्रति हेक्टेयर उत्पादकता बढ़ाने पर जोर देना जरूरी है। राजस्थान में सरसों की उपज 2021-22 में 1716 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर से घटकर 2025-26 में 1552 किलोग्राम रह गई, जबकि हरियाणा में 1914 से बढ़कर 2,146 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर हो गई। राजस्थान के किसानों के अनुभवों में भी संकर बीज के फायदे सामने आए हैं।

सेवानिवृत्त शिक्षिका से 80 लाख रु. साइबर ठगी में एक और बदमाश गिरफ्तार

जयपुर । अजमेर निवासी सेवानिवृत्त शिक्षिका को डिजिटल अरेस्ट का भय दिवाकर 80 लाख रुपए ठगने वाले अंतरराज्यीय साइबर गिरोह के खिलाफ केंद्रीय साइबर पुलिस थाना (आर4सी) जयपुर ने कार्रवाई करते हुए फलोदी निवासी आरोपी बजरंग को गिरफ्तार किया है। वारदात के करीब दो साल बाद हुई इस गिरफ्तारी के साथ पुलिस इस मामले में अब तक गिरोह के 29 आरोपियों को गिरफ्तार कर चुकी है। अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस (साइबर क्राइम) विजय कुमार सिंह ने बताया कि महानिदेशक पुलिस राजीव कुमार शर्मा के निर्देशन में साइबर अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत कार्रवाई हो गई। जांच में आरोपी की भूमिका बैंक खातों, सिम और उगी की रकम के लेनदेन से जुड़ी सामने आई। पुलिस के अनुसार पीड़िता ने शिकायत में बताया था कि 14 नवंबर 2024 को उसके पास एक अज्ञात व्यक्ति का फोन आया। उसने खुद को पुलिस और साइबर अपराध शाखा का अधिकारी बताया। आरोपी ने महिला को डराया कि उसके पहचान दस्तावेजों का इस्तेमाल कर 25 बैंक खातों में संदिग्ध लेनदेन किया गया है।

झालाना का “राणा” कहा गया?

12 दिन बाद भी वन विभाग के हाथ खाली, सर्च ऑपरेशन जारी

—कार्यालय संवाददाता—

जयपुर। झालाना लेपर्ड सफारी की पहचान बन चुके लेपर्ड राणा के लापता होने के 12 दिन बाद भी वन विभाग को उसका कोई सुराग नहीं मिला है। बुधवार को वन विभाग की टीमें दिनभर झालाना जंगल के अलग-अलग हिस्सों में राणा की तलाश करती रही, लेकिन कोई ठोस संकेत नहीं मिला।

■ झालाना के जंगलों में उगी घनी घास में राणा की तलाश मुश्किल हुई. अब अतिरिक्त कैमरों से होगी निगरानी

लगातार तलाश के बावजूद राणा का पता नहीं चलने से वन्यजीव प्रेमियों की चिंता बढ़ गई है।राणा की तलाश के लिए डीएफओ आशीश व्यास, एसीएफ जितेंद्र सिंह शेखावत और रेंजर विजयपाल यादव के नेतृत्व में टीम ने जंगल के संभावित क्षेत्रों में सर्च ऑपरेशन चलाया।

एमएनआईटी के आसपास के क्षेत्र में भी वन विभाग की टीमें निगरानी कर रही हैं। विभाग अब राणा की गतिविधियों पर नजर रखने के लिए अतिरिक्त कैमरा ट्रैप लगाने की तैयारी कर रहा है।

बारिश के बाद बढ़ी घास बनी चुनौती

डीएफओ आशीष व्यास के अनुसार हाल में हुई बारिश के बाद झालाना जंगल में घास काफी बढ़ गई है। घनी और ऊंची घास के कारण लेपर्ड की तलाश चुनौतीपूर्ण हो गई है। जंगल का क्षेत्रफल



झालाना के जंगलों में लेपर्ड “राणा” की तलाश में वन विभाग की टीमें जुटी हुई हैं।

बढ़ा होने के कारण प्रत्येक हिस्से की निगरानी में भी समय लग रहा है। ऐसे में कैमरा ट्रैप और अन्य निगरानी माध्यमों से राणा की मौजूदगी का पता लगाने के प्रयास किए जा रहे हैं।

निगरानी और स्टाफ पर सवाल

राणा के लगातार लापता रहने के बीच झालाना जंगल की निगरानी व्यवस्था और स्टाफ की कमी का मुद्दा भी उठ रहा है। वन्यजीव प्रेमियों का कहना है कि जंगल में निगरानी व्यवस्था मजबूत करने के साथ स्टाफ की कमी दूर करने की जरूरत है।

वहीं सफारी ट्रैक के रखरखाव का काम भी किया जाना है। वन विभाग के अनुसार झालाना में निगरानी व्यवस्था को और मजबूत किया जा रहा है। राणा की तलाश के लिए अतिरिक्त कैमरे लगाए जाएंगे। साथ ही स्टाफ की कमी दूर करने की दिशा में भी कार्ययोजना तैयार की जा रही है।

झालाना की पहचान बन चुके राणा के 12 दिन से दिखाई नहीं देने के बाद वन विभाग लगातार सर्च ऑपरेशन चला रहा है। जंगल के विभिन्न हिस्सों के साथ एमएनआईटी क्षेत्र में भी निगरानी की जा रही है। कैमरा ट्रैप के जरिए उसकी गतिविधियों का पता लगाने का प्रयास जारी है। फिलहाल राणा का कोई ठोस सुराग नहीं मिला है।

‘पीएम-जनमन से जनजातीय क्षेत्रों में विकास को गति’

जयपुर । मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूहों (पीबीटीजी) को विकास की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए प्रधानमंत्री जनजातीय आंदिवानी न्याय महाअभियान (पीएम-जनमन) के तहत आधारभूत सुविधाओं का विस्तार किया जा रहा है। बारां जिले के किशनगंज, शाहबाद सहित 8 ब्लॉकों में सहरिया पीबीटीजी समुदाय को आवास, सड़क, पेयजल, शिक्षा, स्वास्थ्य, बिजली और आंगनबाड़ी जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। राजस्थान में सहरिया पीबीटीजी की आबादी करीब 1.30 लाख है, जो बारां की 149 ग्राम पंचायतों के 324 राजस्व गांवों में निवास करती है।पीएम-जनमन के तहत प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण में 14,671 आवास पूर्ण हो चुके हैं। 4 हजार से अधिक परिवारों को नल कनेक्शन और 16 हजार से अधिक पात्र वंचित परिवारों को विद्युत कनेक्शन जारी किए गए हैं। जनजातीय क्षेत्रों में सड़क संपर्क मजबूत करने के लिए 22 सड़कों का काम भी पूरा हो चुका है।

पीएम-जनमन के तहत 15 मल्टीपर्पज सेंटर, 51 आंगनबाड़ी केंद्र और 51 वन-घन केंद्र संचालित हैं। दो छात्रावासों का कार्य पूरा हो चुका है, जबकि 19 अन्य छात्रावास जून 2027 तक पूरे किए जाएंगे। आरएसएसएलडीसी ने 621 लोगों को कौशल विकास प्रशिक्षण दिया है। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग की 8 मोबाइल मेडिकल यूनिट (एमएनयू) दूरस्थ जनजातीय क्षेत्रों में सेवाएं दे रही हैं।

एसआईआर और “वोट चोरी” के खिलाफ कांग्रेस का प्रदर्शन

10 अक्टूबर को 50 हजार कार्यकर्ता करेंगे दिल्ली कूच : डोटासरा

जयपुर (कांस)। विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) में कथित गड़बड़ी और वोट चोरी के आरोपों के खिलाफ कांग्रेस के देशव्यापी आंदोलन के तहत गुरुवार को प्रदेशभर के जिला मुख्यालयों पर प्रदर्शन हुए। जयपुर में शहर कांग्रेस की ओर से कलेक्ट्रेट पर प्रदर्शन किया गया। प्रदर्शनकारियों ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग की। प्रदर्शन में समाजवादी पार्टी और वामदलों के कार्यकर्ताओं ने भी हिस्सा लिया।

प्रदर्शन में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा, नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जुली, प्रदेश प्रभारी पुखराज पाराशर, पूर्व मंत्री बीडी कल्ला, विधायक रफीक खान सहित कई कांग्रेस नेता मौजूद रहे। करीब डेढ़ घंटे तक केंद्र की मोदी सरकार के खिलाफ नारेबाजी की गई। प्रदर्शन के चलते कलेक्ट्रेट के आसपास यातायात प्रभावित रहा और जाम की स्थिति बन गई।

प्रदर्शन के बाद डोटासरा और जुली ने कार्यकर्ताओं से 10 अक्टूबर को दिल्ली कूच करने का आ न किया। डोटासरा ने कहा कि दिल्ली में आंदोलन कर रहे नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के साथ सम्मानजनक व्यवहार नहीं किया जा रहा है। राहुल गांधी केवल कथित वोट चोरी की जांच और दोषियों को हटाने की मांग कर रहे हैं। उनकी बात सुनी जानी चाहिए।

डोटासरा ने आरोप लगाया कि

राजधानी

कांग्रेस का चुनाव आयोग के खिलाफ प्रदर्शन

सुर्खियों में बने रहने की कोशिश : मदन राठौड़

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष ने कहा कि, “300-400 लोगों के साथ प्रदर्शन

राजनीतिक नौटंकी हैं।” उन्होंने राहुल गांधी के द्वारा महिला पुलिसकर्मी से व्यवहार पर भी सवाल उठाए।



कांग्रेस के चुनाव आयोग के खिलाफ प्रदर्शन को लेकर कहा कि यदि कांग्रेस को आयोग से शिकायत है तो निर्धारित प्रक्रिया के तहत 5 से 7 लोगों का प्रतिनिधिमंडल समय लेकर अधिकारियों से मिल सकता है। इसके बजाय 300-400 लोगों को लेकर प्रदर्शन करना केवल राजनीतिक नौटंकी और सुर्खियों में बने रहने का प्रयास है। उन्होंने कहा कि ऐसे प्रदर्शन से न तो निर्वाचन आयुक्त के खिलाफ कार्रवाई होगी और न चुनाव प्रक्रिया पर कोई प्रभाव पड़ेगा। राठौड़ ने कहा कि कांग्रेस लोकतांत्रिक और संवैधानिक संस्थाओं पर विश्वास रखते हुए निर्धारित प्रक्रिया के तहत अपनी बात रखे। उन्होंने आरोप लगाया कि विरोध प्रदर्शनों के जरिए जनता में भ्रम पैदा करने और उसे भड़काने का प्रयास किया जा रहा है।

राहुल गांधी के व्यवहार पर सवाल

राठौड़ ने लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के महिला पुलिसकर्मी के साथ व्यवहार को लेकर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि सार्वजनिक जीवन में रहने वाले नेताओं से मर्यादित और गरिमापूर्ण आचरण की अपेक्षा होती है। महिला पुलिसकर्मी की पीठ पर हाथ रखने को उन्होंने

■ भाजपा प्रदेशाध्यक्ष ने कहा कि, “300-400 लोगों के साथ प्रदर्शन राजनीतिक नौटंकी हैं।” उन्होंने राहुल गांधी के द्वारा महिला पुलिसकर्मी से व्यवहार पर भी सवाल उठाए।

निंदनीय बताते हुए कहा कि ऐसा व्यवहार संस्कारों और मर्यादा के अभाव को दर्शाता है।

राठौड़ कांग्रेस की एकजुटता पर निशाना साधा

कांग्रेस नेताओं के एकजुटता के दावों पर मदन राठौड़ ने कहा कि “हम सब एक हैं” कहने की जरूरत उसी को पड़ती है, जिसके मन में संदेह होता है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस नेता एक फोटो फ्रेम के लिए साथ खड़े हो रहे हैं, जबकि उनके बयानों और गतिविधियों से पार्टी के भीतर की वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो रही है। रंधावा द्वारा सचिन पायलट से बयान देने की बात और मना करने पर उन्हें पकड़कर लाने की चर्चा का हवाला देते हुए उन्होंने सवाल किया कि क्या कांग्रेस नेता सचिन पायलट को बच्चा समझते हैं।

शिखर सम्मेलन में शामिल हुई

उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी

नवाचारों को साझा किया।उपमुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में मातृशक्ति को सशक्त बनाने, बेटियों की शिक्षा को बढ़ावा देने तथा बच्चों के स्वस्थ एवं सुरक्षित भविष्य के निर्माण के लिए निरंतर प्रभावी प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने राजस्थान सरकार की प्राथमिकताओं को रेखांकित करते हुए कहा कि प्रदेश की हर बेटी को शिक्षा और

आगे बढ़ने के समान अवसर उपलब्ध कराना सरकार का संकल्प है। साथ ही

प्रत्येक महिला और बच्चे के लिए सुरक्षित, स्वस्थ एवं उज्ज्वल भविष्य सुनिश्चित करने की दिशा में निरंतर कार्य

किया जा रहा है। शिखर सम्मेलन में महिला एवं बाल विकास से जुड़े विभिन्न

विषयों, योजनाओं, नवाचारों और राज्यों में किए जा रहे कार्यों पर चर्चा हुई।

जर्जर बालगृह में रह रहे 80 बच्चों को अन्यत्र शिफ्ट करने की मांग

पीडब्ल्यूडी ने भवन को “उपयोग के लिए असुरक्षित” बताया, हाईकोर्ट में जनहित याचिका दायर

जयपुर। सेटी कॉलोनी स्थित सरकारी ऑब्जर्वेशन होम, प्लेस ऑफ सेफ्टी और स्पेशल होम की जर्जर इमारत में रह रहे करीब 80 बच्चों की सुरक्षा का मामला राजस्थान हाईकोर्ट की खंडपीठ में पहुंच गया है। एडवोकेट वैष्णवी के माध्यम से अनंत मिश्रा ने जनहित याचिका दायर कर बच्चों को तत्काल सुरक्षित स्थान पर शिफ्ट करने की मांग की है। मामले में एडवोकेट वैष्णवी और एडवोकेट अनुतोष मिश्रा पीटीशनर की ओर से काउंसिल हैं। इस प्रकरण पर 5 अक्टूबर को न्यायाधीश महेन्द्र गोयल व न्यायाधीश भुवन गोयल ने सुनवाई की थी। अदालत ने इस मामले में राज्य सरकार से जवाब तलब किया है।

ज्ञात रहे कि अनंत मिश्रा अक्टूबर 2024 से डीएलएमएय जयपुर में असिस्टेंट लीगल एड डिफेंस काउंसिल हैं। उन्होंने 15 सितंबर 2026 को सात लॉ इंटरन्स के साथ परिसर का निरीक्षण किया था। याचिका के अनुसार परिसर में ऑब्जर्वेशन होम, प्लेस ऑफ सेफ्टी, स्पेशल होम और जुवेनाइल जस्टिस बोर्ड-1 व 2 संचालित हैं। यहां करीब 80 चिल्ड्रन इन कॉन्प्लेक्ट विद लॉ रहते हैं।

पीडब्ल्यूडी रिपोर्ट में दरारें, कमजोर नींव और खुली सरिया

याचिका में 26 मई 2026 को पीडब्ल्यूडी कमेटी की निरीक्षण रिपोर्ट का हवाला दिया गया है। इसमें भवन की स्ट्रक्चरल कंडीशन गंभीर बताते हुए कई हिस्सों में दरारें, कमजोर फाउंडेशन, जंग लगी खुली सरिया, बारिश के पानी का रिसाव तथा जर्जर प्लास्टर व टाइल्स का उल्लेख है। दीवारों में करीब डेढ़ से दो इंच तक चौड़ी दरारें भी बताई गई हैं। सीवर, टॉयलेट और बाथरूम की खराब स्थिति से सफाई व स्वास्थ्य को लेकर भी चिंता जताई गई। 10 जून 2026 की रिपोर्ट में भवन को डिलैपिडेटेड और स्ट्रक्चरल रूप से वीक बताते हुए उपयोग के लिए असुरक्षित बताया गया। इसके बाद 11 जून को ऑब्जर्वेशन होम के सुपरिंटेंडेंट ने संबंधित विभाग को पत्र लिखकर बच्चों की सुरक्षा के लिए इसे दूसरी जगह शिफ्ट करने का अनुरोध किया और दुर्घटना की आशंका जताई।

300 कि.मी. पीछा कर दो वाहन चोर दबोचे

जयपुर। आमेर पुलिस ने वाहन चोरी की वारदात का खुलासा करते हुए दो शातिर वाहन चोरों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने करीब 150 सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगालने के बाद चोरी किए गए महिंद्रा ट्रैक्टर-टैंकर का करीब 300 किलोमीटर तक पीछा किया और भीलवाड़ा से दोनों आरोपियों को दबोच लिया। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चोरी का ट्रैक्टर-टैंकर बरामद कर लिया है। पुलिस उपायुक्त जयपुर उतर करन शर्मा ने बताया कि आमेर थाना पुलिस ने वाहन चोरी की वारदात का खुलासा करते हुए पीपूष खोपर (32) निवासी रामगंज जयपुर तथा कैलाश मीणा (41) निवासी आमेर जयपुर को गिरफ्तार किया गया है।

शोक जताया

जयपुर । राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने भारतीय फिल्म अभिनेता नाना पाटेकर के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है। बागडे ने कहा कि नाना पाटेकर केवल अभिनेता ही नहीं थे वह समाज को जागरूक करने, राष्ट्र प्रेम जगाने से जुड़े अहम व्यक्तित्व थे। उनका निधन हिंदी और मराठी फिल्म जगत की अपूरणीय क्षति है।

वरिष्ठ पत्रकार प्रो.रमेश जैन का निधन

जयपुर । राजस्थान में पत्रकारिता एवं

जनसंचार शिक्षा के पुरोधा, शिक्षाविद्, लेखक एवं वरिष्ठ पत्रकार प्रो. रमेश जैन का 84 वर्ष की आयु में बुधवार रात निधन हो गया। गुस्वार को उनके अंतिम संस्कार में पत्रकारिता एवं उच्च शिक्षा जगत से जुड़े लोगों, विद्यार्थियों और गणमान्य नागरिकों ने श्रद्धांजलि दी। प्रो. जैन राजस्थान में पत्रकारिता शिक्षा के प्रथम प्रोफेसर रहे। राजस्थान विश्वविद्यालय तथा वर्धमान महावीर खुला विश्वविद्यालय, कोटा में पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के अध्यक्ष रहे। उनका पत्रकारिता जीवन 1967 में दैनिक राष्ट्रदूत से शुरू हुआ। इसके बाद हिन्दुस्तान समाचार समिति, जयपुर और नई दिल्ली में समाचार सम्पादक (डेस्क इंचार्ज) के रूप में

जयपुर । वेलोफेयर पार्टी ऑफ इंडिया,

राजस्थान ने विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया और मतदाता सूची में बदलावों को लेकर पारदर्शिता व जवाबदेही की मांग की है। पार्टी अध्यक्ष नरेंद्र सिंह कोटवाल ने कहा कि मतदाता सूची लोकतंत्र की बुनियाद है और किसी पात्र नागरिक का नाम हटाना उसके मतदान के संवैधानिक अधिकार को प्रभावित करता है। उन्होंने एसआईआर के दौरान पुराने दस्तावेज और रिकॉर्ड जुटाने,



अधिकारियों को शिकायत देने के बाद हाईकोर्ट पहुंचे

याचिका के अनुसार 18 सितंबर 2026 को एडिशनल चीफ सेक्रेटरी और कमिश्नर, डायरेक्टोरेट ऑफ चाइल्ड राइट्स को भी रिप्रेजेंटेशन देकर बच्चों को सुरक्षित स्थान पर शिफ्ट करने की मांग की गई, लेकिन प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई।

याचिका में जुवेनाइल जस्टिस एक्ट, 2015 के तहत बच्चों के बेस्ट इंटेरेस्ट, सुरक्षा, गरिमा और सुरक्षित वातावरण के प्रावधानों तथा राजस्थान हाईकोर्ट के 27 जनवरी 2016 के निर्देशों का हवाला दिया गया है। हाईकोर्ट से तीनों संस्थानों को तत्काल सुरक्षित और उपयुक्त स्थान पर स्थानांतरित करने तथा सुनवाई के दौरान अंतरिम रूप से बच्चों को सुरक्षित जगह शिफ्ट करने के निर्देश देने की मांग की गई है।

सकारात्मक नजरिया और सत्यनिष्ठा फोटोजर्नलिज्म की कसौटी : मंत्री खर्वा



जयपुर । यूडीएफ मंत्री झावर सिंह खर्वा ने कहा कि सोशल मीडिया और एआई के बढ़ते प्रभाव के दौर में फोटोजर्नलिज्म में सकारात्मक नजरिया और सत्यनिष्ठा बनाए रखना जरूरी है। वे ईमैजिन फोटो जर्नलिस्ट सोसायटी की ओर से आरआईसी में आयोजित 12वें जयपुर फोटोजर्नलिज्म सेमिनार में मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने जैन जी फोटोजर्नलिस्टों से नकारात्मक नजरिए से दूर रहने का आग्रह किया। सेमिनार में इंडिया टुडे के उपसंपादक रोहित परिहार ने पत्रकारों और फोटोजर्नलिस्टों के लिए आत्मरक्षा को प्राथमिकता देने की बात कही। डॉ. रमा

कार्य किया। वर्ष 1981 से 1988

तक राजस्थान विश्वविद्यालय के पत्राचार अध्ययन संस्थान में पत्रकारिता विभाग के प्रभारी एवं सहायक प्रोफेसर रहे और पत्रकारिता में पीजी डिप्लोमा शुरू कराया। 1988 से 2002 तक वर्धमान महावीर खुला विश्वविद्यालय में विभागाध्यक्ष रहते हुए बीजेएमसी, एमजेएमसी और पत्रकारिता एवं जनसंचार में पीएचडी पाठ्यक्रम शुरू कराए। प्रो. जैन ने पत्रकारिता एवं जनसंचार पर 35 से अधिक पुस्तकें लिखीं। “जनसंचार विश्वकोश” और “हिन्दी पत्रकारिता का आलोचनात्मक इतिहास” उनकी प्रमुख कृतियां रहीं। उन्हें भारतेन्दु हरिश्चन्द्र राष्ट्रीय पुरस्कार से भी सम्मानित किया गया।

एसआईआर की निष्पक्ष जांच की मांग

जयपुर । वेलोफेयर पार्टी ऑफ इंडिया, राजस्थान ने विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया और मतदाता सूची में बदलावों को लेकर पारदर्शिता व जवाबदेही की मांग की है। पार्टी अध्यक्ष नरेंद्र सिंह कोटवाल ने कहा कि मतदाता सूची लोकतंत्र की बुनियाद है और किसी पात्र नागरिक का नाम हटाना उसके मतदान के संवैधानिक अधिकार को प्रभावित करता है। उन्होंने एसआईआर के दौरान पुराने दस्तावेज और रिकॉर्ड जुटाने,

विशेषकर 2002 की मतदाता सूची के आधार पर पात्रता साबित करने की प्रक्रिया पर चुनाव आयोग से स्पष्ट जवाब मांगा। पार्टी ने सवाल उठाया कि यदि पात्र नागरिक को बाद में नाम दोबारा जुड़वाने का अवसर दिया जा सकता है तो पहले नाम हटाने की जरूरत क्यों पड़ी। प्रदेश अध्यक्ष वकार अहमद ने मतदाता सूची में कथित गड़बड़ियों और ‘वोट चोरी’ के आरोपों की स्वतंत्र, निष्पक्ष व विश्वसनीय जांच की मांग की।

सार-समाचार

सोलर प्लेट सहित अन्य सामान चोरी का आरोपी गिरफ्त में

कोटा, (निर्स)। ग्रामीण इलाके की बपार कलां पुलिस टीम ने खेत से सोलर प्लेट सहित अन्य सामान चोरी के दर्ज मामले में कार्रवाई करते हुए शांतिर चोर को गिरफ्तार किया है। ग्रामीण पुलिस अधीक्षक सुजीत शंकर ने बताया कि 6 अक्टूबर को फरियादि मांगीलाल ने बपावरकलां थाने में रिपोर्ट दी। फरियादी ने रिपोर्ट में कहा कि कुंआ वाले खेत माल धांसखेड़ा में सौर ऊर्जा वाली झटका मशीन लगा रखी है, जिससे जंगली जानवर खेत में नहीं घुसते है। रिपोर्ट में कहा कि जब वह बेटे के साथ खेत पर पहुंचा तो झटका मशीन, सोलर प्लेट एवं उसकी बैटरी लगी हुई नहीं मिली, जिसकी आसपास तलाश की, लेकिन कोई जानकारी नहीं मिली। ग्रामीण एसपी ने बताया कि फरियादी की रिपोर्ट पर मामला दर्ज किया गया। मामले में कार्रवाई के लिये बपावरकलां के उपनिरीक्षक थानाधिकारी सु्रेश मीणा के नेतृत्व विशेष टीम का गठन किया गया। गठित टीम द्वारा घटनास्थल का निरीक्षण कर तकनीकी साक्ष्य एकत्रित किये गये आसपास में रहने वाले लोगों से पूछताछ की गई, आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले। ग्रामीण एसपी ने बताया कि टीम को मुखबीर से सूचना मिली कि एक व्यक्ति सोलर प्लेट व बैटरी लेकर कर्मांलर की तरफ बेचने की फिराक में घूम रहा है। सूचना पर पुलिस टीम ने व्यक्ति को डिटेल कर पूछताछ की गई। ग्रामीण एसपी ने बताया कि पूछताछ में धांसखेड़ा के माल से सोलर प्लेट व अन्य सामान चोरी करना स्वीकारा। पुलिस टीम ने प्रकरण में कार्रवाई करते हुए थाना बपावरकलां के धांसखेड़ा निवासी बाबूलाल (3६) को गिरफ्तार किया, पकड़े गये आरोपी से अनुसंधान किया जा रहा है।

सिन्धु डांडिया तरंग 17 व 18 अक्टूबर को
कोटा, (निर्स)। सिन्धु सोशल सर्किल की ओर से नवरात्रि के अवसर पर सिन्धु महिला सर्किल व सिन्धु यु्थ सर्किल के साथ दो दिवसीय सिन्धु डांडिया तरंग 2026 का आयोजन आगामी 17 व 18 अक्टूबर को होटल फाईव फ्लावरस अनंता इलीट में आयोजित किया जायेगा जिसमें सिन्धी छेज और अनेक प्रतियोगिताएं आयोजित होंगी। सिंधु सोशल सर्किल के अध्यक्ष शंकर सुखवानी व सचिव शमशेर परमानी ने बताया कि डांडिया में दोनों दिन दो-दो वर्गों में डांडिया प्रतियोगिताएं होंगी जिसमें 40 से अधिक पुरस्कार दिए जाएंगे। डांडिया का शुभारंभ माता की आरती से होगा जिसके लिए माता का आराधना स्थल बनाया जा रहा है। कार्यक्रम में आने वाले छोटे बच्चों का विशेष डांडिया नृत्य होगा जिसमें भाग लेने वाले सभी बच्चों को पुरस्कृत किया जाएगा। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को आमंत्रित किया जाएगा, दोनों दिन सबके लिए प्रसादी की निशुल्क व्यवस्था की गई है। दोनों दिन सिन्धु महिला सर्किल और सर्किल परिवार की महिलाओं की ओर से विशेष प्रस्तुति दी जाएगी। वहीं सचिव ने सिंधु सोशल सर्किल द्वारा किये गये समाज सेवा के कार्यों के बारे में भी जानकारी दी, इस मौके पर डांडिया संयोजक प्रकाश वीर नाथानी, सह संयोजक राज ठाकुर, अशोक आहुजा, बसंत वलेचा, उपाध्यक्ष मोहन इसरानी, सांस्कृतिक सचिव अनूप दीवानी, सह सचिव राजेश ग्वालानी, कोषाध्यक्ष सुशील बूलचंदानी, डांडिया कोषाध्यक्ष मनोहर दयानी, महिला सर्किल की सलाहकार भागवंती खुबचंदानी, अध्यक्ष ज्योति मधवानी, कोषाध्यक्ष पायल गोपालानी, संयोजक निर्मला आहुजा, नीतू वनवानी, संरक्षक रचना ग्वालानी, पूर्व संरक्षक पूतम रतनानी आदि उपस्थित थे।

इंद्रगढ़ स्टेशन पर चार ट्रेनों का विशेष ठहराव हुआ शुरु

कोटा, (निर्स)। नवरात्रि मेले में श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए रेलवे प्रशासन की ओर से इंद्रगढ़ सुमेरंगजंमंडी रेलवे स्टेशन पर चार ट्रेनों का 23 अक्टूबर तक अस्थायी ठहराव शुरू किया गया है। वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक सीरम जैन ने बताया कि नवरात्रि मेले में श्रद्धालुओं की सुविधा के लिये चार ट्रेनो का अस्थायी रूप से 23 अक्टूबर तक इंद्रगढ़ सुमेरंगजंमंडी स्टेशन पर ठहराव किया गया है। जिसमे गाडी संख्या 129५5 मुम्बई सेन्ट्रल-जयपुर एक्सप्रेस, गाडी संख्या 129५6 जयपुर- मुम्बई सेंट्रल एक्सप्रेस, गाडी संख्या 19037 बांद्रा टर्मिनस-बुरीनी अवध एक्सप्रेस, गाडी संख्या 19038 बुरीनी-बांद्रा टर्मिनस अवध एक्सप्रेस है।

सफाई व्यवस्था को लेकर नगरपालिका की बैठक, वार्डों में फॉगिंग कार्य शुरु

रामगंजमंडी, (निर्स)। शहर में नगरपालिका अध्यक्ष नरेंद्र काला की अध्यक्षता में सफाई कर्मचारियों की बैठक आयोजित की गई। बैठक में नगरपालिका उपाध्यक्ष महेंद्र सामरिया एवं अधिशाषी अधिकारी दीपक नागर भी उपस्थित रहे। बैठक के दौरान नगर की सफाई व्यवस्था को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। आगामी त्यौहारों को देखते हुए नगर को स्वच्छ एवं सुंदर बनाए रखने तथा आमजन को किसी प्रकार की असुविधा नहीं हो, इसको लेकर सफाई व्यवस्था की और अधिक प्रभावी बनाने के निर्देश दिए गए। बैठक में मौसमी बीमारियों से बचाव एवं मच्छरों की रोकथाम को भी प्राथमिकता देते हुए नगर के समस्त वार्डों में फॉगिंग कार्य शुरू करवाने के निर्देश प्रदान किए गए। निर्देशों की पालना में नगर पालिका द्वारा सभी वार्डों में फॉगिंग कार्य प्रारंभ कर दिया गया है।

ब्लॉक स्तरीय किशोरी उत्सव में छात्राओं ने दिखाई प्रतिभा

रामगंजमंडी , (निर्स)। महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय खैराबाद में गुजराव को ब्लॉक स्तरीय किशोरी उत्सव का आयोजन उत्साह एवं उमंग के साथ किया गया। कार्यक्रम में विभिन्न विद्यालयों से आई किशोरियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए विभिन्न गतिविधियों एवं प्रतियोगिताओं में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम में संयोजक मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी एवं अतिरिक्त मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी सहित एमजीएस सुकेत प्रिंसिपल राहुल शर्मा एवं अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहे। अतिथियों ने किशोरियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि ऐसे आयोजनों से बालिकाओं में आत्मविश्वास, रचनात्मकता, नेतृत्व क्षमता एवं प्रतिभा को निखारने का अवसर मिलता है। उन्होंने बालिकाओं को शिक्षा के साथ-साथ स्वास्थ्य, सुरक्षा एवं अपने अधिकारों के प्रति जागरूक रहने का संदेश दिया। उत्सव के दौरान आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं में छात्राओं ने हिस्सा लिया। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली प्रतिभागियों को अतिथियों द्वारा प्रशस्ति-पत्र एवं पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के अंत में विद्यालय के प्रधानाचार्य तेजकरण मीणा की ओर से अतिथियों, शिक्षकों एवं प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया गया।

सिन्धु डांडिया तरंग 17 व 18 अक्टूबर को
कोटा, (निर्स)। सिन्धु सोशल सर्किल की ओर से नवरात्रि के अवसर पर सिन्धु महिला सर्किल व सिन्धु यु्थ सर्किल के साथ दो दिवसीय सिन्धु डांडिया तरंग 2026 का आयोजन आगामी 17 व 18 अक्टूबर को होटल फाईव फ्लावरस अनंता इलीट में आयोजित किया जायेगा जिसमें सिन्धी छेज और अनेक प्रतियोगिताएं आयोजित होंगी। सिंधु सोशल सर्किल के अध्यक्ष शंकर सुखवानी व सचिव शमशेर परमानी ने बताया कि डांडिया में दोनों दिन दो-दो वर्गों में डांडिया प्रतियोगिताएं होंगी जिसमें 40 से अधिक पुरस्कार दिए जाएंगे। डांडिया का शुभारंभ माता की आरती से होगा जिसके लिए माता का आराधना स्थल बनाया जा रहा है। कार्यक्रम में आने वाले छोटे बच्चों का विशेष डांडिया नृत्य होगा जिसमें भाग लेने वाले सभी बच्चों को पुरस्कृत किया जाएगा। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को आमंत्रित किया जायेगा, दोनों दिन सबके लिए प्रसादी की निशुल्क व्यवस्था की गई है। दोनों दिन सिन्धु महिला सर्किल और सर्किल परिवार की महिलाओं की ओर से विशेष प्रस्तुति दी जाएगी। वहीं सचिव ने सिंधु सोशल सर्किल द्वारा किये गये समाज सेवा के कार्यों के बारे में भी जानकारी दी, इस मौके पर डांडिया संयोजक प्रकाश वीर नाथानी, सह संयोजक राज ठाकुर, अशोक आहुजा, बसंत वलेचा, उपाध्यक्ष मोहन इसरानी, सांस्कृतिक सचिव अनूप दीवानी, सह सचिव राजेश ग्वालानी, कोषाध्यक्ष सुशील बूलचंदानी, डांडिया कोषाध्यक्ष मनोहर दयानी, महिला सर्किल की सलाहकार भागवंती खुबचंदानी, अध्यक्ष ज्योति मधवानी, कोषाध्यक्ष पायल गोपालानी, संयोजक निर्मला आहुजा, नीतू वनवानी, संरक्षक रचना ग्वालानी, पूर्व संरक्षक पूतम रतनानी आदि उपस्थित थे।

कोटा आरटीयू हॉस्टल में जयपुर के छात्र की मौत के बाद स्टूडेंट्स का प्रदर्शन

कोटा, (निर्स)। राजस्थान तकनीकी विश्वविद्यालय (आरटीयू) में गुरुवार को एक स्टूडेंट की मौत का मामला सामने आया है। स्टूडेंट अपने हॉस्टल में बेहोश मिला था। सूचना के बाद यूनिवर्सिटी के चिकित्सक पहुंचे और उन्होंने एंबुलेंस की मदद से छात्र को अस्पताल में शिफ्ट किया था। जहां पर चिकित्सक ने छात्र को मृत घोषित कर दिया। इसके बाद स्टूडेंट्स ने यूनिवर्सिटी के मुख्य गेट पर विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया। छात्रों का कहना है कि स्टूडेंट की मौत स्नेक बाइट से हुई। वहीं प्रबंधन का कहना है कि छात्र की मौत प्रारंभिक तौर पर कार्डियक अरेस्ट से होना प्रतीत होता है। हालांकि पोस्टमार्टम होने के बाद मौत का सही कारण पता चल पाएगा।

राजस्थान तकनीकी विश्व विद्यालय के कुलपति डॉ. निमित्त रंजन चौधरी का कहना है कि घटना सुबह 09.4५ बजे हुई थी। छात्र अक्षित शर्मा मूल रूप से जयपुर का रहने वाला था। वह अन्य दो स्टूडेंट के साथ हॉस्टल में रहता था। वीसी डॉ. चौधरी का कहना है कि हमने इस मामले में तत्काल यूनिवर्सिटी के डॉक्टर को भेज दिया था। मैं भी मौके पर पहुंचा था, स्टूडेंट का रूम पहले चेकौर पर है। ऐसे में स्नेक बाइट की संभावना कम लग रही है। यह कार्डियक अरेस्ट ही लग रहा है। अक्षित

नितिन मेहता ने 65वीं बार डोनेट की एसडीपी

कोटा, (निर्स)।टीम जीवनदाता के कई सेवावाही सदस्य ऐसे हैं, जिन्होंने हर समय सेवा का संकल्प ले रखा है, जिसमें नितिन मेहता भी हमेशा एसडीपी डोनेशन व ब्लड डोनेशन के लिए तैयार रहते हैं। लायंस क्लब कोटा टेम्को, निदेशक व टीम जीवनदाता के संरक्षक व संयोजक भुवनेश गुप्ता ने बताया कि वूदी जिले के रुडिया गांव की मरीज साक्षा को ओ पंजीजित एसडीपी की आवश्यकता थी, उसके चाचा जोधराज परेशान हो रहे थे, लेकिन टीम जीवनदाता से सम्पर्क हुआ तो उनकी समस्या का समाधान हुआ। मरीज की स्थिति को देखते हुए नितिन मेहता की कॉल किया तो वह मार्केट में थे और अपना ब्लड बैंक पहुंच गए। उन्होंने मरीज के लिए ६5वीं बार एसडीपी डोनेशन किया जबकी वह पूर्व में 42 बार रक्तदान कर चुके हैं।

आकाश एजुकेशन ने लॉन्च किया आकाश इनविक्टस इंजीनियरिंग 2.0

कोटा, (निर्स)। भारत की प्रमुख परीक्षा-तैयारी संस्थाओं में से एक, आकाश एजुकेशन सर्विसेज लिमिटेड ने आकाश इनविक्टस इंजीनियरिंग 2.0 के माध्यम से इंजीनियरिंग की तैयारी के अपने अकादमिक इकोसिस्टम को और मजबूत करने की घोषणा की है। यह नया परफॉर्मेंस आधारित एकेडमिक सिस्टम जेईई मेन, जेईई एडवांस्ड और स्टेट सीटीटी की तैयारी कर रहे विद्यार्थियों के लिए एक व्यवस्थित और बेहतर तैयारी का मार्ग तैयार करेगा।

कोटा आकाश कोचिंग के अकादमिक हेड (इंजीनियरिंग) ऋषि जयसवाल ने बताया कि विद्यार्थियों को इनविक्टस का अलग अनुभव हर स्तर पर देखने को मिलेगा चाहे वह क्लासरूम में सीखने की प्रक्रिया हो, स्टडी मटेरियल

- इनविक्टस के हाई-परफॉर्मेंस एकेडमिक आर्किटेक्चर के साथ जेईई इकोसिस्टम को करेगा मजबूत**

और किताबें हों, टेस्ट हों या उन्हें मिलने वाली मटेरिशप। यह कार्यक्रम छह प्रमुख स्तंभों पर आधारित है। हर कक्षा, प्रैक्टिस सेशन और रिवीजन सत्रांकिल को एक ही लक्ष्य को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है कि जेईई एडवांस्ड, जेईई मेन, न्इटसैट और विभिन्न राज्यों की इंजीनियरिंग प्रवेश परीक्षाओं में विद्यार्थियों को सर्वश्रेष्ठ संभव रैंक दिलाता है। फैकल्टी टीम आकाश इनविक्टस की सबसे बड़ी ताकत है। इसी अनुभवी

अकादमिक टीम ने इनविक्टस के पाठ्यक्रम, स्टडी मटेरियल और टेस्टिंग सिस्टम को एक नई ऊँचाई दी है। वैज्ञानिक तरीके से तैयार और शोध-आधारित स्टडी मटेरियल में किताबों को इसी अकादमिक टीम ने लॉर्निंग साईस और परीक्षा के चेंटन पर किए गए गहन शोध के आधार पर नए सिरे से तैयार किया है। यह विद्यार्थियों को बुनियादी अवधारणाओं से लेकर सबसे कठिन प्रश्नों तक चरणबद्ध तरीके से आगे बढ़ने में मदद करता है। टेस्टिंग की आवृत्ति, गहराई और स्तर तीनों को नए सिरे से तैयार किया गया है। हर टेस्ट के बाद विद्यार्थियों को अपनी मजबूतियों, कमियों और सुधार की जरूरत वाले सटीक क्षेत्रों की स्पष्ट तस्वीर मिलती है। जायसवाल ने बताया कि स्टूडेंट्स और पेरेंट्स साफ देख सकते हैं ।

खाद्य सुरक्षा विभाग ने कोचिंग एरिया में बड़े हॉस्टलों की मैस की जांच की

कोटा, (निर्स)। प्रमुख स्वास्थ्य सचिव गायत्री राठौर के निर्देशन मेंआयुक्त खाद्य सुरक्षा एवं औषधि नियंत्रक राजस्थान अवीचल चतुर्वेदी ने सरकार द्वारा चलाए जा रहे विशेष अभियान के अंतर्गत खाद्य सुरक्षा दल द्वारा राजीव गांधी नगर स्थित एलन साफ्टवूल्स कोचिंग के आस पास स्थित बी एल रेंजिडेंसी समूद्ध और बी एल रेंजिडेंसी सहज, हॉस्टल केशव माधव, बरसा रेंजिडेंसी, स्टूडेंट जूस एंड शेक आइस क्रीम पालर, मिर्जा जाहिदी वल्ला बेरा यू बी एफ यूनाइटेड रेस्टोरेंट, अम्बे बॉर एंड सैंडविच एवं न्यू फिरदौस रेस्टोरेंट इत्यादि का औचक निरीक्षण किया। राजीव गांधी नगर में स्थित बरसा मैस में हाइजीन और सैनिटेशन कंडीशन असंतोषप्रद पाई गई। वहींमिर्जा जबीही वल्लाह बेग मेसस यू बी एफ यूनाइटेड रेस्टोरेंटमें वेज और नॉनवेज दोनों एक ही जगह बरता हुआ आप देखा गया। खाद्य कारोबारी को दुरंत वेज और नॉनवेज को अलग-अलग बमने के निर्देश दिए। यहां सल-हालत में खाद्य लाईसेंस प्रमुख प्रदर्शित भाग पर नहीं लगा हुआ था। कचरा पात्र बिना ढके रखे था। बी एल रेंजिडेंसी में 3 किलो अजीनोमोटो

बिना निर्माण तिथि और बिना मैनुफैक्चरिंग ऐड्रेस के रखा हुआ था। तथा 1 – 1 किलो के ब्रेड के ५ पैकेट जिन पर निर्माण तिथि तथा यूज बाय डेट अंकित नहीं थी को मौके पर नष्ट कराई गई।मौके परअधिकांश हॉस्टल्स में पेस्ट कंट्रोल सर्टिफिकेट नहीं पाया गया। फूड हैंडलर्स का मेडिकल सर्टिफिकेट नहीं पाया गया। बरसा रेंजिडेंसी में टीनो ने 2 घंटे तक रुककर सफाई कार्य करवाया, सफाई के पश्चात फ्रीज ,स्टोर व किचन की स्थिति ठीक करने पर खाना बनाने की अनुमति प्रदान की गई। केशव माधव मैस मैस में भी अनियमिताएं देखने को मिला जिन्हें मौके पर निर्दिशत कर सही

- छात्रों का कहना है कि स्टूडेंट की मौत स्नेक बाइट से हुई, वहीं प्रबंधन का कहना है कि छात्र की मौत प्रारंभिक तौर पर कार्डियक अरेस्ट से होना प्रतीत होता है**
- स्टूडेंट राहुल चौधरी का कहना है कि यहां सुविधाओं का अभाव है और करोड़ों रुपए का बजट होने के बावजूद भी हॉस्टल पर ध्यान नहीं दिया जाता है। कई बार यहां पर सांप आ जाते हैं। अक्षित का शरीर भी पीला पड़ गया था। इसलिए ऐसा लग रहा है कि उसको सांप ने ही काटा है। जहर फैलने के चलते ही ऐसा हुआ है। छात्र पूरे मामले में जांच की मांग कर रहे हैं और यूनिवर्सिटी के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे हैं। छात्रों का कहना है कि विश्वविद्यालय ने परिसर को पूरी तरह से जंगल बनाया हुआ है। जबकि परिसर को पूरी तरह से नीट एंड**

क्लीन रखना चाहिए। सुविधाओं के लिए जिम्मेदार यूनिवर्सिटी प्रबंधन है। सुविधाएं नहीं होने के चलते अक्षित की मौत हुई है। यूनिवर्सिटी के हॉस्टल खंडर बने हुए हैं। डिस्पेंसरी में भी दवा उपलब्ध नहीं है।

स्टूडेंट पारस शर्मा का आरोप है कि जब अक्षित की तबीयत बिगड़ गई थी, तब हॉस्टल के चीफ वार्डन पहुंचे थे, लेकिन उन्होंने अपने पर्सनल व्हीकल से स्टूडेंट को ले जाने से इनकार कर दिया। स्टूडेंट की हालत खराब होने के बावजूद भी उन्होंने एंबुलेंस का इंतजार किया। अस्पताल को डिस्पेंसरी में सामान्य गोली और इंजेक्शन लगाने के लिए सिरिज भी उपलब्ध नहीं है।

- मुख्य सचिव वी श्रीनिवासन ने किया अभय कमांड सेंटर का निरीक्षण**

समीक्षा की। मुख्य सचिव श्रीनिवासन ने सेंटर में स्थापित सीसीटीवी सर्विलांस सिस्टम, डायल 112, महिला हेल्पलाइन, जीपीएस ट्रैकिंग, तथा रिस्पांस टाइम मॉनिटरिंग प्रणाली का अवलोकन किया। उन्होंने अभय कमांड सेंटर की कार्यप्रणाली का बारीकी से अवलोकन किया पुलिस अधिकारियों ने उन्हें जानकारी दी की कैसे अभय कमाण्ड सेंटर के लाईव कैमरो की मदद से मारपीट की घटनाओं को समय रहते रोकने में सफलता मिली है, कन्ट्रोल रूम द्वारा तुरंत मौके पर पुलिस टीम रवाना कर ऐसी घटनाओं

सोलर प्लेट सहित अन्य सामान चोरी का आरोपी गिरफ्त में

कोटा, (निर्स)। ग्रामीण इलाके की बपावर कलां पुलिस टीम ने खेत से सोलर प्लेट सहित अन्य सामान चोरी के दर्ज मामले में कार्रवाई करते हुए शांतिर चोर को गिरफ्तार किया है। ग्रामीण पुलिस अधीक्षक सुजीत शंकर ने बताया कि 6 अक्टूबर को फरियादित मांगीलाल ने बपावरकलां थाने में रिपोर्ट दी। फरियादी ने रिपोर्ट में कहा कि कुंआ वाले खेत माल धांसखेड़ा में सौर ऊर्जा वाली झटका मशीन लगा रखी है, जिससे जंगली जानवर खेत में नहीं घुसते है। रिपोर्ट में कहा कि जब वह बेटे के साथ खेत पर पहुंचा तो झटका मशीन, सोलर प्लेट एवं उसकी बैटरी लगी हुई नहीं मिली, जिसकी आसपास तलाश की, लेकिन कोई जानकारी नहीं मिली।

विभिन्न खाद्य पदार्थों के 25 नमूने लिए

- ईट राइट स्कूल कैपेन के अंतर्गत 7 स्कूल का निरीक्षण किया गया बच्चों को आदर्श थाली व गुड फूड और बेडफूड के बारे में जानकारी आसानी दी**

के कुल 25 नमूने लिए गए, जिन्हें जांच हेतु खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला, कोटा भिजवाया जा रहा है। प्रयोगशाला से प्राप्त जांच रिपोर्ट के आधार पर नियमानुसार अग्रिम कार्रवाई की जाएगी। अभियान निरंतर जारी रहेगा। खाद्य सुरक्षा दल में खाद्य सुरक्षा अधिकारी सदीप अग्रवाल, एक सक्सेना चंद्रवीर सिंह जादोन, मौजाला कुंभकार, नृपेंद्र नागर ,ज्ञान मीणा, दिव्या सेंत, मनीषा रावत, मनीष पाटीदार विनोद कुमार अम्बरीश कुमार दीपक यादव, रोहित गुप्ता, खुशी सिंह, श्योपाल जितरवाल शामिल रहे।

मादक पदार्थ तस्करी के दो दोषियों को सुनाई 20-20 साल की सजा

कोटा, (निर्स)। मादक पदार्थ तस्करी के करीब डेढ़ साल से अधिक पुराने मामले में एनडीपीएस न्यायालय ने सुनवाई करते हुए पकड़े गये दो आरोपियो को दोषी मानते हुए 20–20 वर्ष की सजा सुनाई साथ ही 2–2 लाख के अर्थ दंड से दंडित किया। विशेष लोक अभियोजक आशीष अग्रवाल ने बताया कि नवम्बर 2025 में केंद्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो (सीबीएन) जावरा की मुखबिर से सूचना मिली कि दो व्यक्ति एक बोलैरो वाहन के माध्यम से ९11.540 किलोग्राम अवैध डोडा चूरा नीमच से बीकानेर की ओर ले जाने वाले हैं। उक्त सूचना पर सीबीएन जावरा की टीम द्वारा नयागांव डोल प्लाजा पर नाकाबंदी एवं निगरानी की कार्रवाई की गई। इसी दौरान एक बोलैरो वाहन आती हुआ दिखाई दी, टीम द्वारा वाहन को रोकने का प्रयास किया गया ,लेकिन वाहन चालक-प्राइ वाहन को रोकने के बजाय आगे-प्राड़े खड़े वाहनों को जोरदार टक्कर मारते हुए भागने का प्रयास किया गया। सीबीएन के निवारक दल द्वारा तत्काल घेराबंदी कर उक्त बोलैरो वाहन में सवार दोनों को डिटेल कर वाहन की तलाशी ली तो तलाशी के दौरान वाहन से अवैध मादक पदार्थ ९११.540 किलोग्राम अवैध डोडा चूरा बरामद किया गया।

इंद्रगढ़ स्टेशन पर चार ट्रेनों का विशेष ठहराव हुआ शुरु

कोटा, (निर्स)। नवरात्रि मेले में श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए रेलवे प्रशासन की ओर से इंद्रगढ़ सुमेरंगजंमंडी रेलवे स्टेशन पर चार ट्रेनों का 23 अक्टूबर तक अस्थायी ठहराव शुरू किया गया है।

नाम परिवर्तन
मेरे पुत्र की कक्षा 10वीं की मार्कशीट में उसका नाम Ayush Dhakar, पिता का नाम Mukesh Dhakar व माता का नाम Sampat Dhakar आलेखित है, जो कि गलत है। जबकि पुत्र का सही नाम Ayush Kumar Dhakar, पिता का सही नाम Mukesh Kumar Dhakar व माता का सही नाम Sampat Devi Dhakar है। भविष्य में इसी नाम से जाना जाए। निवासी- डांडिया, कोटा
हेतुक दर्विर्तन के लिए सूचना (साधारण प्रारूप) (व्यवहार प्रक्रिया संहिता की पहली अनुसूची संख्या 4) सुगन चन्द बनाम - भूली बाई वगेरह प्रार्थनापत्र बाबर रास्ता चाहे (अनर्थगत धारा 251 (A) R.T.A.) प्रकरण सं. ३/2025 बनारम:- 1. शिवय आचार्य स्व. जगदीश 2. दीपक आचन्य स्व. जगदीश 3. राविवीरबाई पत्नी स्व. जगदीश 4. रेखाबाई पत्नी स्व. निरंज 5. लक्ष्मीबाई पुत्री स्व. रामाविश्वनाथ 6. नमेलीबाई पुत्री भंवरलाल जाति बेव्या कमाडी निवासीगण छक्का पुराने अस्पताल के पास कमाडी मोहल्ला तहसील छक्का जिला बारां राज. 7. अंजली 8. संजयान 9. तन्मना 10 दिवेश पिता जगन्नाथ बीजा (कमाडी) निवासी जुलूमि रामगंगांनवी जिला कोटा राज. उक्त प्रार्थी ने इस अदालत में यह आवेदन किया है कि अतः आपको वैतावनी है कि आप उक्त आवेदन के विरुद्ध हेतुक दर्विर्तन के लिए दिनांक 14. 10.2026 को समय 10 सुबह१५ में सर्वो या एवं वकीलद्वारा जिते सफाई रूप से अनुदेखा दिया गया हो उपर्युक्त हो वरि आप पेशा करने में असफल रहेंगे तो उक्त आवेदन की सुनवाई और उक्तका निस्तारण एक पक्षीय रूप में किया जावेगा। यह आज तारीख 05. 10.26 को मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दिया गया है। मोहर अदालत
न्यायाधीश न्यायालय उपखंड अधिकारी छक्का जिला बारां
राजेंद्र मंगल एडवोकेट मकान नंबर 322 महावीर पुर जिला कोटा राज. मो. 94148-02953

कार्यालय तहसीलदार (भू-अभि.) तहसील लाडपुरा, जिला कोटा
आम सूचना
दिनांक-6.10.26
क्रमांक:- भू.अभि./2026/६537-38

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि न्यायालय तहसीलदार लाडपुरा में मृतक सपना गोपावत पत्नि श्री राजेन्द्र सिंह गोपावत जाति राजपूत निवासी ग्राम सरस्वती कीली, बारा रोड, तहसील लाडपुरा जिला कोटा की आराजी तहसील लाडपुरा के पटवार मण्डल नयानोहरा के ग्राम नयानोहरा के आराजी खसरा संख्या 245 रकबा 0.11 है. मैं हिरसा 1/१ प्रत्येक का नोटेरी प्रमाणित वसीयतनामा अनुसार बजरंगलाल पुत्र हरदेव जाति लक्षरकी निवासी ग्राम नयानोहरा तहसील लाडपुरा जिला कोटा राज. के नाम नामान्तरकरण दर्ज करवाने हेतु राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम 1९56 की धारा 1३5 (2) के अन्तर्गत प्रकरण जैरकार है, यदि औमप्रकाश पुत्र घांसी जाति लक्षरकी निवासी ग्राम नयानोहरा तहसील लाडपुरा जिला कोटा के वसीयत के संबंध में किसी को कोई साक्ष्य या आपत्ति पेश करना हो तो स्वयं उपस्थित होकर आगामी 7 दिवस तक पेश कर सकते है, अन्यथा प्रकरण का निस्तारण नियमानुसार कर दिया जायेगा।
तहसीलदार (भू.अभि) लाडपुरा, कोटा

कार्यालय तहसीलदार (भू-अभि.) तहसील लाडपुरा, जिला कोटा
आम सूचना
दिनांक-6.10.26
क्रमांक:- भू.अभि./2026/६539-4०

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि न्यायालय तहसीलदार लाडपुरा में मृतक सपना गोपावत पत्नि श्री राजेन्द्र सिंह गोपावत जाति राजपूत निवासी ग्राम सरस्वती कीली, बारा रोड, तहसील लाडपुरा जिला कोटा की आराजी तहसील लाडपुरा के पटवार मण्डल नयानोहरा के ग्राम नयानोहरा के आराजी खसरा संख्या 466/१7 रकबा 0.29 है. मैं हिरसा 1/2 प्रत्येक का नोटेरी प्रमाणित वसीयतनामा अनुसार परमानन्त पुत्र बजरंगलाल जाति लक्षरकी निवासी ग्राम नयानोहरा तहसील लाडपुरा जिला कोटा राज. के नाम नामान्तरकरण दर्ज करवाने हेतु राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम 1९56 की धारा 1३5 (2) के अन्तर्गत प्रकरण जैरकार है, यदि सपना गोपावत पत्नि श्री राजेन्द्र सिंह गोपावत जाति राजपूत निवासी ग्राम सरस्वती कीली, बारा रोड, तहसील लाडपुरा जिला कोटा के वसीयत के संबंध में किसी को कोई साक्ष्य या आपत्ति पेश करना हो तो स्वयं उपस्थित होकर आगामी 7 दिवस तक पेश कर सकते है, अन्यथा प्रकरण का निस्तारण नियमानुसार कर दिया जायेगा।
तहसीलदार (भू.अभि) लाडपुरा, कोटा

कार्यालय तहसीलदार (भू-अभि.) तहसील लाडपुरा, जिला कोटा
आम सूचना
दिनांक-6.10.26
क्रमांक:- भू.अभि./2026/६539-4०

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि न्यायालय तहसीलदार लाडपुरा में मृतक सपना गोपावत पत्नि श्री राजेन्द्र सिंह गोपावत जाति राजपूत निवासी ग्राम सरस्वती कीली, बारा रोड, तहसील लाडपुरा जिला कोटा के वसीयत के संबंध में किसी को कोई साक्ष्य या आपत्ति पेश करना हो तो स्वयं उपस्थित होकर आगामी 7 दिवस तक पेश कर सकते है, अन्यथा प्रकरण का निस्तारण नियमानुसार कर दिया जायेगा।

सिविल न्यायाधीश, क्रम 02. उत्तर, कोटा, राज. CS 4९7/202६ 1. सुनिल कुमार पुत्र स्व. श्री बलच चन्द जी आयु - 52 वर्ष पेशा-व्यापार निवासी पुरोहित जी की टायरी, केनाल रोड, तेजाजी के मन्दिर के पास, सोगरिया, कोटा, राज. 2. मुकेश सोनी पुत्र स्व. श्री रामनारायण सोनी, आयु 48 वर्ष निवासी-कंसुआ कोटा, राज. मो. नं.- 9८8७2092८८यादीगम -----बनारम----- 1. विनोद पुत्र स्व. धीरज लाल आयु 4० वर्ष निवासी पुरोहित जी की टायरी, केनाल रोड, तेजाजी के मन्दिर के पास, सोगरिया, कोटा, राज. 2. सहायक अभियंता, बाई नगर, उपखण्ड, सीएडी सर्किल, कोटा, राज. 3. तहसीलदार लाडपुरा, कोटा, राज. 4 जिला कलेक्टर, कोटा, राज.प्रतिवादीगण लोकहित वाद अनर्गत आदेश 01 नियम 08 जा. दी. वाताे र्खाई निषेधाज्ञा अनवरल नोडिस महोदय, मैंने साधारण को सूचित किया जाता है कि वकीदीग की ओर से उपरोक्त लोकहित वाद सम्पत्ति मुखण्ड सं. 05. 0६ व ०7 जो कि निवासी कोलीनी, पुरोहित जी की टायरी, केनाल रोड, तेजाजी के मन्दिर के पास, सोगरिया, कोटा, राज. के भू.माम है। मन्दिर के आगे सामंजसिक उपयोग हेतु पक्षी ईव सिंहाई विभाग की भूमि पर प्रसिदायी क्रम -01 द्वारा आवसीय एवं व्यवसायिक निर्माण किया जा रहा है तथा ऐसे हर कानूनी कृच्य को रोकने हेतु कानू पेश किया है और उपरोक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में आमजन को कोई आपत्ति हो तो उपरोक्त वाद में अपनी बात रखना चाहता हो तो वह तिरप व्यक्ति स्वयं अथवा वकील के माध्यम से न्यायालय में दिनांक 16.1० को उपस्थित हो सकता है अन्यथा न्यायालय नियमानुसार उपरोक्त वाद पत्र पर निर्णय पारित करेगा। अनवरल नोडिस मेरे हस्ताक्षर से जारी किये गये। मोहर अदालत पीठासीन अधिकारी न्यायालय सिविल न्यायाधीश, क्रम- 02 उत्तर कोटा, राज.
--

आम सूचना
मेरी साधारण श्रीमती अंजना सिंह पत्नि श्री नरेंद्र सिंह जाति जाट निवासी पमान नं. 2६5, बालाजी आवास सिकंदर, देवली संव संवरा रोड, बोखेड़ा, कोटा (राज.), की ओर से सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरी पक्षकारा का एक खरीदशुदा मुखण्ड संख्या- (120) जिसकी पैमायश 25x50= 1250 वर्गफुट वाके "श्री गणेश रोजीडेसी" ग्राम राजनगर तहसील लाडपुरा जिला कोटा (राज.), में स्थित है जो आराजी खसरा नम्बर 3६1 रकबा 3.34 हेक्टर में का एक भाग है, उक्त मुखण्ड का क्रय मेरी पक्षकारा ने श्रीमती अनीता कुमारी पत्नि श्री हरि सिंह शक्तावर, निवासी ए-49-50/1, श्याम नगर, देवली अरब रोड, बोखेड़ा, कोटा (राज.) ताला से ज़रिफे इकरारनामा, मुसुदारनामा एवं वसीयतनामा से किया था। जिसके दस्तावेज मेरी पक्षकारा के पास में नोटेरी पब्लिक कार्यालय में दिनांक 23.08.2०२४ को तारीकी हो रहे है जो इकरारनामा, मुसुदारनामा एवं वसीयतनामा, अवल दस्तावेज कही गुम हो गये है। मेरी पक्षकारा के उक्त मुखण्ड की फाईल किसी व्यक्ति को मिली हो अथवा उक्त मुखण्ड के संबंध किसी प्रकार की कोई आपत्ति हो अथवा उजबरी हो, तो मेरे समक्ष अपनी सूचना/आपत्ति 7 योग में प्रस्तुत करें।
सूचित हो।
स्थान-कोटा
दिनांक 06.10.2026
भवदीय
लोकप्रान सिंह गौड (एडवोकेट) राजस्थान हाई कोर्ट, मो.नं.- 97९९8264८१

आम सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि श्रीमती रुक्मिणी गौतम पत्नी स्व. कुन्दरी गौतम, निवासी 1-जी-32, महावीर नगर हिरसा योजना, कोटा का एक मकान नं. 1-जी-32, महावीर नगर हिरसा योजना, को

